

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 19 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 73 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ भारत की खनिज नीलामी व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी, फिर भी ठप हैं खदानें

15 साल बाद छलका दर्द : शूटिंग के दौरान डायरेक्टर की गंदी हरकतों का शिकार हुई थीं अभिनेत्री ◀◀ 6



पैसों के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

▶ धुर्वा निवासी अभिषेक उर्फ लल्लू पर हत्या का आरोप, विकास महतो के घर के बाहर अपराधियों ने की फायरिंग ▶ अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी



मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची में आपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड नंबर-1 का है, जहां पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। बुधवार देर रात हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विकास महतो के छोटे भाई छोटू महतो उर्फ मिथिलेश के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभिषेक उर्फ लल्लू समेत अन्य की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पैसों के विवाद में साथियों के साथ घर पहुंचे थे आरोपीः प्राप्त जानकारी के अनुसार, धुर्वा निवासी अभिषेक उर्फ लल्लू अपने कई साथियों के साथ बुधवार देर रात इंद्रपुरी स्थित विकास महतो के घर पहुंचा था। बताया जाता है कि अभिषेक और विकास महतो के बीच लंबे समय से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के सिलसिले में अभिषेक अपने साथियों के साथ विकास की तलाश में उसके घर पहुंचा।

उस समय घर का मुख्य दरवाजा बंद था। आरोपियों ने अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बंद होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने गेट के बाहर से ही फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

गोली लगने से विकास के छोटे भाई की मौतः फायरिंग के दौरान विकास महतो के छोटे भाई छोटू महतो उर्फ मिथिलेश को गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है।

एक आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की तलाश जारीः घटना की सूचना मिलते ही सुखदेवनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, मुख्य आरोपी अभिषेक उर्फ लल्लू और घटना में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

पुराना लेनदेन विवाद बना हत्या की वजहः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हत्या के पीछे पैसों के लेनदेन को लेकर चला आ रहा विवाद बताया जा रहा है। हालांकि, विवाद की पूरी वजह, लेनदेन की राशि और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। राजधानी के रिहायशी इलाके में हुई इस गोलीबारी और हत्या की घटना ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और पूरे मामले की जांच में जुटी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत,पति और सास हिरासत में, दो साल पहले हुई थी शादी

मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप, शव पर मिले चोट के निशान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

अनगड़ा (रांची): रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के राजाडेरा गांव में 22 वर्षीय विवाहिता जुली कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतका के पति और सास को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान ओरमांझी के तेतरिया टोली निवासी राजेंद्र महतो की पुत्री जुली कुमारी (22) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कल रात ससुराल पक्ष की ओर से मायके वालों को फोन कर बताया गया कि जुली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। हालांकि, शव पर चोट के कई निशान मिलने के बाद मायके वालों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

मायके पक्ष ने की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांगः



घटना की जानकारी मिलने के बाद ओरमांझी से बड़ी संख्या में महिलाएं अनगड़ा थाना पहुंचीं। उन्होंने ससुराल पक्ष के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध जताया। मायके वालों का आरोप है कि जुली की मौत सामान्य परिस्थितियों में नहीं हुई है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

पति और सास हिरासत में, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शवः पुलिस ने मृतका के पति मोतीलाल महतो और उसकी मां को हिरासत में लिया है। दोनों राजाडेरा गांव के निवासी हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि जुली और मोतीलाल की शादी करीब दो साल पहले हुई थी। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है।

मेदिनीनगर-रांची फोरलेन पर भीषण हादसा

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पोलपोल ब्रिज के पास बुधवार देर शाम हुई दुर्घटना, मृतक की पहचान में जुटी पुलिस

पलामूः मेदिनीनगर-रांची फोरलेन सड़क पर पोलपोल ब्रिज के पास बुधवार देर शाम टैंकर और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे मेदिनीनगर स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटना बुधवार शाम करीब 6:15 बजे हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर सतबरवा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दोनों वाहन जब्त, दुर्घटना के कारणों की जांचः पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर और बाइक को जब्त कर थाना ले गई है। टैंकर का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 03 एएक्स 5448, जबकि बाइक का नंबर जेएच 19 जी 0697 बताया गया है। पुलिस बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

एंबुलेंस से मृतक का मोबाइल ले जाने की चर्चाः बताया जाता है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाली एंबुलेंस में सवार एक व्यक्ति मृतक का मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गया। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों के साथ-साथ मृतक की पहचान करने में जुटी है।

नयामोड़-हीरक मार्ग पर दर्दनाक हादसा बाइक सवार युवक की मौके पर मौत

कुजूः जिले के कुजू ओपी क्षेत्र स्थित नयामोड़-हीरक मार्ग पर बीती रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़गांव, चैनपुर निवासी दिवाकर कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, दिवाकर कुमार बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान नयामोड़-हीरक मार्ग पर उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कुजू पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं, युवक की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।फिलहाल पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बाइक को किसी अन्य वाहन ने टक्कर मारी थी या तेज रफ्तार के कारण वह अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई।

हजारीबाग ट्रेजरी घोटाला: काजल कुमारी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

रांचीः हजारीबाग ट्रेजरी से करोड़ों रुपये की कथित फर्जी निकासी के मामले में अभियुक्त काजल कुमारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वाराले की खंडपीठ ने उनकी अपील पर सुनवाई के बाद जमानत मंजूर कर दी।

मामले की जांच कर रही सीआईडी ने काजल कुमारी को गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में थीं। निचली अदालत के बाद झारखंड हाईकोर्ट से भी जमानत याचिका खारिज होने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की थी।

ओरमांझी में खड़े ट्रेलर से टकराया ट्रक, चालक समेत दो घायल

संवाददाता

रांचीः रांची-रामगढ़ मुख्य मार्ग पर ओरमांझी में गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक समेत दो लोग घायल हो गए। हादसा सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर के पीछे से आ रहे ट्रक के अनियंत्रित होकर टकराने से हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में सवार चालक सहित दो लोग घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को भेजा गया रिम्सः दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए रिम्स भेजा गया।



कुछ देर तक आवागमन रहा प्रभावितः हादसे के कारण रांची-रामगढ़ मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने से आवागमन प्रभावित हुआ। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था नियंत्रित की, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका।

रामलीला मैदान में प्रदर्शनों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कई दलों को नोटिस

कॉकरोच जनता पार्टी, कांग्रेस और आप समेत संगठनों से मांगा जवाब, व्यापारियों ने कारोबार प्रभावित होने की जताई चिंता



नई दिल्लीः रामलीला मैदान में राजनीतिक प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होने का आरोप लगाते हुए व्यापारिक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआई वाईएस एक्सए) समेत कई संगठनों को नोटिस जारी किया है। दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त से भी जवाब मांगा गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और व्यापार करने के अधिकार के बीच संतुलन जरूरी है। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची और न्यायमूर्ति वी मोहाना भी शामिल हैं।

व्यापारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि रामलीला मैदान में प्रदर्शनों के कारण आसपास की थोक मंडियों और व्यावसायिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। व्यापारिक संगठनों ने रामलीला मैदान को प्रदर्शन स्थल घोषित किए जाने का विरोध किया है।

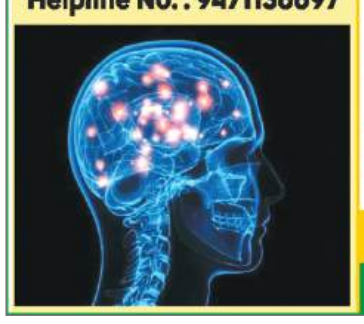
सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ आम लोगों और कारोबारियों के मौलिक अधिकारों पर भी विचार करना जरूरी है। इस मामले में आगे की सुनवाई होगी।

रिनपास का गौरवशाली 100 YEARS 1925-2026

भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखण्ड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं 15 नवंबर

Toll Free No. 14499/18003454060

मानसिक विकारों एवं रिनपास में उपलब्ध सेवाओं से संबंधित जानकारी के लिए Helpline No. : 9471136697



झारखण्ड सरकार

राँची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान

रिनपास

सन् 1925 से सेवारत

कांके, राँची - 834006

मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान

आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन

अपनी समस्याओं के समाधान एवं अन्य जानकारी के लिए HELPLINE No. 9471136697 पर संपर्क करें।

रिनपास में मानसिक रोग से ग्रसित व्यक्तियों को भर्ती कर उनके उपचार करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

वाह्य चिकित्सा विभाग की सुविधाएँ

- मानसिक बीमारियों का इलाज
- आँख एवं दाँत से संबंधित बीमारियों की जाँच एवं इलाज
- सामान्य बीमारियों का इलाज, फिजियोथेरेपी
- मिर्गी एवं नशा मुक्ति के संबंध में चिकित्सकीय परामर्श एवं इलाज
- वैवाहिक जीवन में उत्पन्न तनाव, उलझनों एवं विविध समस्याओं के लिए परामर्श
- स्त्री रोग से संबंधित महिलाओं का इलाज स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा किया जाता है
- बाल एवं किशोर परामर्श
- अत्याधुनिक dTMS मशीन द्वारा अवसाद, OCD, नशामुक्ति (De-addiction) तथा अन्य चयनित मानसिक विकारों हेतु गैर-आक्रामक न्यूरोमॉड्यूलेशन थेरेपी।

रिनपास में मानसिक बीमारियों एवं नशामुक्ति निःशुल्क उपचार के लिए सुविधाएँ

- तनाव प्रबंधन और मनोदैहिक क्लिनिक
- वैवाहिक और परिवार परामर्श क्लिनिक
- महिला मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक
- नशामुक्ति क्लिनिक (दवा और प्रौद्योगिकी)
- वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक
- बाल और किशोर मार्गदर्शन क्लिनिक
- मनोसामाजिक मार्गदर्शन क्लिनिक
- कानूनी सलाहकार केंद्र
- आत्महत्या रोकथाम सहायता केंद्र

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability), विनिर्दिष्ट विद्या दिव्यांगताओं (Specific Learning Disability), स्वपरायणता स्पेक्ट्रम विकार (Autism), मानसिक रोग (Mental Illness) आदि के मूल्यांकन एवं प्रमाणन की सुविधा रिनपास में उपलब्ध है।

आम जनता से आग्रह है कि रिनपास में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठायें

- One Stop Crisis Center (सखी) प्रताड़ित महिलाओं की सेवा में 24 घंटे तत्पर। (महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित)
- विधिक, शारीरिक मनोवैज्ञानिक सहायता निःशुल्क उपलब्ध।
- संस्थान में पेइंग वार्ड की सुविधा उपलब्ध है।

अति अल्प दर पर रिनपास में जाँच की सुविधाएँ

- आम बीमारियों की जाँच अत्याधुनिक कम्प्यूटरीकृत यंत्रों द्वारा अति अल्प समय में।
- विभिन्न तरह के मनोवैज्ञानिक जाँच जैसे बुद्धि परीक्षण, व्यवसायिक अभिरुचि परीक्षण, डायग्नोस्टिक परीक्षण इत्यादि अधिक विश्वसनीय, वैज्ञानिक प्रक्रिया द्वारा।
- बायोफीडबैक एवं एक्सपोजर-थेरेपी द्वारा नींद न आना, फोबिया, सिर दर्द रहना, मानसिक तनाव, यौन संबंधी बीमारियों का इलाज।

मानसिक रोगियों के लिए निःशुल्क दवा उपलब्ध | BPL मरीजों के लिए सभी प्रकार की जाँच एवं इलाज की मुफ्त सुविधा उपलब्ध है।

https://rinpas.jharkhand.gov.in, Email ID:directorrinpas@gmail.com & director-rinpas@jharkhandmail.gov.in

समाचार सार

मंदिर जैसा दिखता है बंगाल के तुलिन ओपी थाना का भगवा रंग में रंगा गेट

मुरीः भगवा रंग में रंगा यह भव्य गेट किसी मंदिर का नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के सीमावर्ती तुलिन ओपी थाना का है। पहली नजर में यह किसी भव्य मंदिर का प्रवेश द्वार प्रतीत होता है।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकारी और गैर-सरकारी भवनों पर भगवा रंग का प्रभाव बढ़ा है। इधर, पुरुलिया में भाजपा के वरिष्ठ नेता समीर भट्टाचार्य का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसे लेकर तुलिन से झालदा होते हुए पुरुलिया तक करीब 60 किलोमीटर का रास्ता भाजपा के झंडों से पटा हुआ है। पूरे मार्ग पर पुलिस की तैनाती की गई है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है।

2027 में नए स्वाद और अनुभवों के साथ बदलेगी कॉकटेल संस्कृति



रांचीः बैकार्डी की आठवीं वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2027 में कॉकटेल संस्कृति में स्वाद, मेजबानी और ग्राहकों की पसंद को लेकर कई नए बदलाव देखने को मिलेंगे। पारंपरिक पेय को नए स्वाद और आधुनिक तकनीकों के साथ पेश करने के साथ ही बार में बेहतर माहौल और मनोरंजन उपलब्ध कराने का चलन बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 57 प्रतिशत उपभोक्ता बार में रोजमर्रा की जिंदगी से अलग अनुभव चाहते हैं। वहीं, 95 प्रतिशत बारटेंडरों का मानना है कि ग्राहक उनके सुझावों के आधार पर पेय का चयन करते हैं। मार्गरीटा, मोजिटो, पिना कोलाडा और स्प्रिट्ज वर्ष 2027 के लोकप्रिय पेय विकल्पों में शामिल रहेंगे।

झारखंड में मतदाता सूची पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ी अब 22 दिसंबर को जारी होगी अंतिम वोटर लिस्ट



दावे और आपत्तियों के निपटारे के लिए 15 दिसंबर तक का समय, चुनाव आयोग ने जारी किया संशोधित कार्यक्रम

रांचीः झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की समयसीमा बढ़ा दी गई है। चुनाव आयोग ने संशोधित कार्यक्रम जारी करते हुए दावे और आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित की है। वहीं, अब अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 दिसंबर को होगा। इससे पहले अंतिम मतदाता सूची जारी करने के लिए 30 नवंबर की तिथि निर्धारित की गई थी।

चुनाव आयोग ने जारी किया संशोधित कार्यक्रमः चुनाव आयोग ने बुधवार को संशोधित कार्यक्रम की जानकारी राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को दी। इसके अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और सुधार से संबंधित दावे एवं आपत्तियों के निपटारे के लिए अब अतिरिक्त समय मिलेगा। समयसीमा बढ़ने से एसआइआर की प्रक्रिया में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्धारित कार्य पूरा करने में सहूलियत होगी।

झारखंड समेत सात राज्यों में बढ़ाई गई अवधिः झारखंड के अलावा महाराष्ट्र, दिल्ली, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, नागालैंड और हरियाणा में भी विशेष गहन पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ाई गई है। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद सभी संबंधित राज्यों में संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

हेमंत कैबिनेट के बड़े फैसले

सरकारी कर्मचारियों-पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता बढ़ेगा, 2027 की छुट्टियों को मंजूरी

विश्रामपुर में 37.36 करोड़ से बनेगा डिग्री कॉलेज, कई सड़कों और सिंचाई योजनाओं के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत, एनएचएम का कार्यकाल 2027 तक बढ़ा

संवाददाता



रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में वृद्धि, वर्ष 2027 के सार्वजनिक और अन्य अवकाश, डिग्री कॉलेज निर्माण, सड़क एवं सिंचाई परियोजनाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यकाल विस्तार समेत कई फैसले लिए।

एक जुलाई 2026 से बढ़ेगा महंगाई भत्ताः कैबिनेट ने सातवें केंद्रीय वेतनमान के तहत राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते की दरों में एक जुलाई 2026 के प्रभाव से वृद्धि को मंजूरी दी। इसके साथ ही छठे और पांचवें वेतनमान के तहत वेतन पाने वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी बढ़ोतरी को स्वीकृति दी गई। पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की महंगाई राहत भी बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

2027 की छुट्टियों पर लगी मुहर : बैठक में वर्ष 2027 के लिए राज्य सरकार के सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों और बैंकों में सार्वजनिक एवं अन्य अवकाश घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं, सचिवालय और इससे जुड़े कार्यालयों में कंप्यूटर ऑपरेटर एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर के पदों पर नई नियुक्तियों पर रोक लगाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली।

विश्रामपुर में 37.36 करोड़ से बनेगा डिग्री कॉलेजः कैबिनेट ने पलामू जिले के विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण के लिए 37 करोड़ 36 लाख 54 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी।

इसके अलावा पाकुड़ में 8.30 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 44 करोड़ 52 लाख 94 हजार 500 रुपये मंजूर किए गए।

सरायकेला-खरसावां जिले में पातकुम (एमडीआर-156) से ईचागढ़-पातपुर नहर-डुलसीडीह होते हुए लाबा पथ के 16.76 किलोमीटर हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए 48 करोड़ 78 लाख 15 हजार 600 रुपये की संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

जामताड़ा में 7.170 किलोमीटर लंबे करमाटांड बाजार बाईपास पथ के निर्माण के लिए 85 करोड़ 73 लाख 38 हजार 500 रुपये स्वीकृत किए गए। वहीं, रांची जिले में मुरमा चौक से सुरसा मसमानो-पाली पथ और बास्की-तुतियाम्बे पथ के कुल 9.752 किलोमीटर हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए 28 करोड़ 77 लाख 54 हजार रुपये मंजूर किए गए।

साहिबगंज में बनेगा संप्रेक्षण गृह, सिंचाई योजनाओं को भी राशिः साहिबगंज जिले में मिशन वात्सल्य और राज्य योजना के तहत संप्रेक्षण गृह के निर्माण के लिए 9 करोड़ 75 लाख 32 हजार 500 रुपये की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

उसरी वीयर योजना के जीर्णोद्धार और मुख्य नहर की लाइनिंग के लिए 30 करोड़ 20 लाख 9 हजार रुपये स्वीकृत किए गए। वहीं, कोकरो वीयर सिंचाई योजना के तहत बलुआडीह शाखा नहर की लाइनिंग, वितरणियों और संरचनाओं के पुनरुद्धार के लिए 51 करोड़ 96 लाख 31 हजार 200 रुपये के प्राक्कलन को मंजूरी दी गई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का कार्यकाल 31 मार्च 2027 तक बढ़ाः कैबिनेट ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का कार्यकाल 31 मार्च 2027 तक बढ़ाने की स्वीकृति दी। इसके अलावा झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं के निर्धारण को भी मंजूरी दी गई।

वज्रपात से प्रभावित परिवारों को अनुग्रह अनुदान देने के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

निबंधन कानून में संशोधन और कोयला खनन से जुड़े प्रस्ताव मंजूरः मंत्रिपरिषद ने निबंधन अधिनियम, 1908 में संशोधन के लिए निबंधन (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी। इसके तहत निबंधन से इनकार से संबंधित धारा 22-क और अन्य प्रावधान जोड़े जाएंगे।

झारखंड विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियमावली, 2011 में संशोधन को भी स्वीकृति दी गई। इसके तहत बाट और माप के निमार्ताओं एवं कारोबारियों के लाइसेंस संबंधी प्रावधान समाप्त कर स्वघोषणा पत्र के आधार पर एकमुश्त निबंधन की व्यवस्था की जाएगी।

इसके अलावा लातेहार जिले के सिकनी कोयला खनन परियोजना के लिए संशोधित खनन योजना तैयार कराने को मंजूरी दी गई। राज्य में बिजली और विनियमित क्षेत्र के अलावा अन्य उपभोक्ताओं को नीलामी के माध्यम से बेचे जाने वाले कोयले की रॉयल्टी वसूली के प्रावधान को भी स्वीकृति दी गई।

कर्मचारियों की सेवा और न्यायिक नियमावली से जुड़े फैसलेः कैबिनेट ने विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की सेवा नियमित करने, वित्तीय लाभ देने और उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। साथ ही झारखंड वरीय न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन, बांध सुरक्षा के लिए विशेषज्ञों का स्वतंत्र पैनल गठित करने और संयुक्त वन प्रबंधन समितियों से संबंधित प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बेतला से उधवा झील तक, झारखंड के प्राकृतिक खजाने को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी

इको टूरिज्म के विकास के लिए जेटा गठित करेगी प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट, पर्यटन स्थलों का बनेगा मास्टर प्लान



रांचीः झारखंड के घने जंगलों, खूबसूरत जलप्रपातों, नदियों और समृद्ध जैव-विविधता को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत कार्यरत झारखंड इको टूरिज्म अथॉरिटी (जेटा) एक समर्पित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू) गठित करेगी। इस पहल का उद्देश्य राज्य में इको-टूरिज्म का व्यवस्थित विकास करना और प्राकृतिक धरोहरों को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।जेटा ने इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए अनुभवी परा

मर्शी संस्था के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएमयू राज्य के चुनिंदा वन क्षेत्रों में पर्यटन परियोजनाओं की योजना बनाने, उनके विकास और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी संभालेगी।

बेतला, पलामू और उधवा झील पर विशेष जोरः झारखंड में बेतला नेशनल पार्क, पलामू टाइगर रिजर्व, करीब 10 वन्यजीव अभयारण्य और रामसर साइट के रूप में मान्यता प्राप्त उधवा झील पक्षी अभयारण्य जैसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहरें मौजूद हैं। इसके बावजूद व्यवस्थित योजना और विशेषज्ञों की कमी के कारण राज्य में इको-टूरिज्म का अपेक्षित विकास नहीं हो सका है।

नई पीएमयू लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के साथ-साथ ऐसे कम चर्चित वन और ग्रामीण क्षेत्रों की भी पहचान करेगी, जहां इको-टूरिज्म, रूरल टूरिज्म और एग्री-टूरिज्म की संभावनाएं हैं।

बुनियादी सुविधाओं का होगा आकलन, बनेगा मास्टर प्लानः विशेषज्ञों की टीम चिह्नित पर्यटन स्थलों पर पेयजल, स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, बिजली, संचार व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का आकलन करेगी। इसके आधार पर प्रत्येक स्थल के लिए व्यापक मास्टर प्लान और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगारः जेटा की इस पहल में पर्यटन विकास को पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक पर्यटन स्थल की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा, ताकि प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

इसके अलावा स्थानीय कला, शिल्प और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के साथ ग्रामीणों के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के लिए विशेष कैलेंडर तैयार किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

पीएमयू केंद्र सरकार और विभिन्न बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों से अनुदान प्राप्त करने में भी जेटा की मदद करेगी। साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित पर्यटन परियोजनाओं को विकसित करने में सहयोग प्रदान करेगी।

भूषण बाड़ा मामले में सीएम हेमंत सोरेन का सख्त रुख, बोले-

दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा

पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी के बाद मुख्यमंत्री ने कहा- कानून सबके लिए बराबर, पीड़िता के बयान के आधार पर जांच कर रही पुलिस



संवाददाता

रांचीः कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग आदिवासी बच्ची के कथित यौन शोषण के आरोपों में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। इस मामले पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि कानून सबके लिए बराबर है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बुधवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। पुलिस कानून के दायरे में रहकर जांच कर रही है। किसी को भी कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता।

पीड़िता के बयान के आधार पर जांचः मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस पीड़िता के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट जल्द ही सबके सामने आएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में किसी को कोई छूट नहीं मिलेगी।

विपक्ष के आरोपों पर भी दिया जवाबः मामले को लेकर विपक्ष की ओर से सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों और राजनीतिक बयानबाजी पर भी मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहता है। षड्यंत्र भी रचे जाते हैं और विपक्ष सरकार को बदनाम करने का प्रयास करता रहता है। हालांकि, इन सबका सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार काम कर रही है और उसे जनता का आशीर्वाद प्राप्त है। विपक्ष के आरोपों से सरकार विचलित नहीं होगी। सरकार अपने काम और जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ नाबालिग आदिवासी बच्ची के कथित यौन शोषण के आरोपों में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके बाद से यह मामला राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है।

89 साल से बंद वैज्ञानिक जेसी बोस के संदूक का खुलेगा ताला, झारखंड हाईकोर्ट का अहम आदेश

गिरिडीह स्थित शांति भवन में रखा है ऐतिहासिक लोहे का संदूक, शोध दस्तावेज और दुर्लभ पांडुलिपियां मिलने की उम्मीद



रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अदालत ने गिरिडीह स्थित उनके आवास में पिछले 89 वर्षों से बंद पड़े लोहे के संदूक को खोलने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि इस संदूक में वैज्ञानिक के शोध से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और दुर्लभ पांडुलिपियां सुरक्षित हो सकती हैं।

झारखंड हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति आर. मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति राम शर्मा की खंडपीठ ने इस मामले में प्रकाशित समाचार का संज्ञान लेते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में प्रशासनिक उदासीनता पर भी चिंता जताई।

89 वर्षों से बंद है ऐतिहासिक संदूकः महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का निधन 23 नवंबर 1937 को गिरिडीह स्थित उनके आवास 'शांति भवन' में हुआ था। इस ऐतिहासिक भवन को वर्तमान में सर जेसी बोस संग्रहालय के नाम से जाना जाता है। उनके निधन के बाद से परिसर में रखा लोहे का संदूक अब तक नहीं खोला गया है। आशंका जताई जा रही है कि संदूक में उनके महत्वपूर्ण वैज्ञानिक शोधों से संबंधित दस्तावेज और पांडुलिपियां हो सकती हैं। ये दस्तावेज वैज्ञानिक जगत के लिए अमूल्य साबित हो सकते हैं। इसी महत्व को देखते हुए अदालत ने टिप्पणी की कि संदूक खोलने का उपयुक्त समय अब आ गया है।

संग्रहालय की जर्जर स्थिति पर हाईकोर्ट चिंतितः सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने संग्रहालय भवन की बदहाल और जर्जर स्थिति पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि संग्रहालय की तरह झारखंड के कई अन्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल भी प्रशासनिक उदासीनता का सामना कर रहे हैं। खंडपीठ ने पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग को निर्देश दिया कि राज्य के सभी प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर स्थलों की पहचान की जाए। साथ ही उनके जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए प्रभावी दीर्घकालिक योजना तैयार कर उसे लागू किया जाए। पर्यटन सचिव और गिरिडीह डीसी से मांगा हलफनामाः अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के सचिव तथा गिरिडीह के उपायुक्त को मामले में पक्षकार बनाया है। दोनों अधिकारियों को अपना-अपना विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। आदेश की प्रति राज्य सरकार के अधिवक्ता को भी सौंप दी गई है। उल्लेखनीय है कि सर जगदीश चंद्र बोस रेडियो विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी वैज्ञानिकों में शामिल थे। उन्होंने क्रेस्कोग्राफ, मिलीमीटर वेव, माइक्रोवेव ऑप्टिक्स उपकरण और सॉलिड स्टेट सेमीकंडक्टर डिटेक्टर सहित कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरणों के विकास में योगदान दिया था। उनके शोध और आविष्कारों ने विज्ञान की दुनिया में नई संभावनाओं के द्वार खोले।

युवाओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप एसयूडी लाइफ ने पेश किया नया टर्म इंश्योरेंस प्लान

रांचीः स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस (एसयूडी लाइफ) ने युवाओं के लिए एसयूडी लाइफ युवा स्मार्ट टर्म नाम से नया जीवन बीमा प्लान पेश किया है। इस योजना में शादी, बच्चे के जन्म या होम लोन जैसी महत्वपूर्ण जीवन परिस्थितियों में अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान कर बीमा कवर बढ़ाने की सुविधा दी गई है। योजना के तहत पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर परिवार को बीमा राशि एकमुश्त, 125 महीने तक मासिक आय या दोनों विकल्पों के मिश्रण के रूप में मिल सकती है। इसके अलावा, पात्र ग्राहक 60, 61 या 62 वर्ष की आयु में जमा प्रीमियम वापस लेकर पॉलिसी से बाहर निकल सकते हैं। इस योजना का लाभ 18 से 65 वर्ष की आयु के लोग उठा सकते हैं। पॉलिसी की अवधि 10 से 50 वर्ष तक रखी गई है।

झारखंड में आज शाम से दिखेगा चक्रवाती तूफान *अकवान* का असर

20-21 नवंबर को 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; 40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

संवाददाता

रांचीः बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अकवान का असर आज शाम से झारखंड में भी दिखने लगेगा। इसके प्रभाव से राज्य के मध्यवर्ती इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 और 21 नवंबर को राज्य के कई जिलों में बारिश हो सकती है। इस दौरान सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, रामगढ़ और बोकारो के कुछ इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं।



20 नवंबर को तट से टकरा सकता है तूफानः रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान ह्यअवानाह्न उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर करीब सात किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। यह तूफान दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्से में केंद्रित है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर की दोपहर तक इसके उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों के बीच नरसापुर के आसपास टकराने की संभावना है। इस दौरान तूफान की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है।

22 नवंबर से मौसम होगा साफः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 20 और 21 नवंबर को झारखंड के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। वहीं, 21 नवंबर को संताल परगना और कोयलांचल के जिलों धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा और साहिबगंज में भी कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। हालांकि, 22 नवंबर से मौसम साफ होने और लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

किसानों को 20 नवंबर से पहले धान काटने की सलाहः बारिश और वज्रपात की आशंका को देखते हुए मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। किसानों को सलाह दी गई है कि फसल को नुकसान से बचाने के लिए 20 नवंबर से पहले तैयार धान की कटाई कर लें और उसे सुरक्षित स्थान पर रख दें।

तीन महीने से खाली है झारखंड अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष पद, नियुक्ति में देरी पर नाराजगी

लोगों ने मुख्यमंत्री से की जल्द पुनर्गठन की मांग

गुलाम शाहिद



रांचीः झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने से अल्पसंख्यक समुदाय में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों ने राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आयोग का जल्द पुनर्गठन करने की मांग की है।

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान का तीन वर्षीय कार्यकाल सितंबर 2026 में समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद अब तक नए अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की गई है। इससे समुदाय के लोगों में असमंजस की स्थिति है।

समाजसेवी नदीम इकबाल ने कहा कि अल्पसंख्यक आयोग महज एक सरकारी पद या राजनीतिक नियुक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं और शिकायतों को सरकार तक पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण मंच है। शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा और सरकारी योजनाओं से जुड़े मुद्दों पर आयोग की अहम भूमिका होती है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार को अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने की जानकारी पहले से थी, तो समय रहते नए अध्यक्ष की नियुक्ति क्यों नहीं की गई? चुनाव और राजनीतिक कार्यक्रमों में अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को लेकर बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन समुदाय से जुड़े संस्थानों में नियुक्तियों के मामले में गंभीरता नहीं दिखाई देती।

अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। साथ ही आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की जल्द नियुक्ति कर इसका पुनर्गठन करने की अपील की है। फिलहाल इस मामले में सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

झारखंड में 26 वर्षों में 256 हाथियों की मौत 172 की अप्राकृतिक मृत्यु पर उठे सवाल

करंट से सर्वाधिक मौतें, कांग्रेस प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने सरकार से की श्वेतपत्र जारी करने की मांग

मेट्रो रेज



रांचीः झारखंड में वर्ष 2000 से 2025 के बीच 256 हाथियों की मौत के आंकड़े सामने आने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इनमें 172 हाथियों की मौत अप्राकृतिक और 84 की प्राकृतिक कारणों से हुई है। ये आंकड़े राज्य में वन्यजीव संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष रोकने के सरकारी प्रयासों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

श्री नायक ने कहा कि हाथियों की मौत से संबंधित एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2023 के बीच 225 हाथियों की मौत दर्ज की गई। इनमें 67 की मौत बिजली का करंट लगने से, 17 की रेल दुर्घटना में, 11 की जहर देने से, पांच की सड़क दुर्घटना में और चार की अवैध शिकार के कारण हुई। वहीं, जनवरी 2026 में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में 2000 से 2025 तक 256 हाथियों की मौत का आंकड़ा सामने आया है।

उन्होंने कहा कि करंट से 67 हाथियों की मौत बिजली व्यवस्था और वन विभाग के बीच समन्वय की कमी को उजागर करती है। जंगलों से गुजरने वाली बिजली लाइनों, खुले एवं झूलते तारों और अवैध बिजली कनेक्शनों पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। श्री नायक ने कहा कि जंगलों का विखंडन, खनन गतिविधियां, रेल एवं सड़क परियोजनाएं और भोजन-पानी की कमी मानव-हाथी संघर्ष के प्रमुख कारण हैं। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

उन्होंने राज्य सरकार से वर्ष 2000 से नवंबर 2026 तक हाथियों की मौत का जिला, वर्ष और कारणवार प्रमाणित आंकड़ा सार्वजनिक करने तथा विस्तृत श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। साथ ही हाथियों के कॉरिडोर को अतिक्रमण से मुक्त करने, संवेदनशील रेल मार्गों पर निगरानी बढ़ाने, बिजली के खतरनाक तारों को सुरक्षित करने और अवैध शिकार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि हाथियों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राज्य की जैव विविधता और प्राकृतिक विरासत को बचाने का सामूहिक दायित्व है।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में 49 निराश्रितों को प्रतिदिन मिल रहा पौष्टिक भोजन



मेट्रो रेज

रांचीः पुंदाग स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम के सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से अन्नपूर्णा सेवा के तहत निराश्रित दिव्यांगों एवं सेवादारों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। आश्रम में रह रहे 49 निराश्रित प्रभुजनों को प्रतिदिन पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन कराया जाता है।

ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 1 से 18 नवंबर तक लगभग 3,780 लोगों को भोजन कराया गया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। समाज के हर वर्ग को ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग और प्रोत्साहन देना चाहिए। इस पुनीत कार्य में सत्यनारायण पोद्दार चैरिटेबल ट्रस्ट एवं बाबूलाल प्रेमसंस ग्रुप का विशेष सहयोग मिल रहा है। मौके पर पंकज पोद्दार, डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, संजय सर्राफ सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दुबई से चल रहे 88 करोड़ के सट्टेबाजी गिरोह पर शिकंजा, रांची से सरगना की पत्नी गिरफ्तार

बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस की छह शहरों में एक साथ छापेमारी, चार गिरफ्तार, 37 संदिग्धों से पूछताछ

संवाददाता



रांचीः दुबई से संचालित करीब 88 करोड़ रुपये के अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह के खिलाफ बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को संयुक्त टीम ने देश के छह शहरों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान रांची के पॉश इलाके अशोकनगर से गिरोह के कथित सरगना संदीप कुमार गुप्ता की पत्नी लवली प्रिया को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में अब तक कुल चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि 37 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस जांच के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क दुबई से संचालित हो रहा था। ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए बाली एक्सचेंज समेत कई वेबसाइटों का इस्तेमाल किया जा रहा था। गिरोह पर देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों को जोड़कर करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार करने का आरोप है।

तकनीकी जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने गिरोह के नेटवर्क का पता लगाया। इसके बाद रांची, पटना, कोलकाता, दिल्ली, गाजियाबाद और प्रयागराज में एक साथ छापेमारी की गई। इसी क्रम में रांची के अशोकनगर से लवली प्रिया को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल जांच एजेंसियां गिरोह के अन्य सदस्यों की भूमिका, सट्टेबाजी से जुटाई गई रकम और दुबई से संचालित नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। साथ ही पैसों के लेन-देन के माध्यम और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

रांची के तीन परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू

23 नवंबर से 1 दिसंबर तक सुबह 6:30 से रात 9 बजे तक प्रभावी रहेगा आदेश

रांचीः कर्मचारी चयन आयोग की तीन परीक्षाओं के कदाचारमुक्त संचालन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रांची के तीन परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है। सदर एसडीओ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। निषेधाज्ञा 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से रात 9 बजे तक प्रभावी रहेगी।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा ठप होने का खतरा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गये कर्मचारी

मेट्रो रेज



रांचीः झारखंड में 108 एंबुलेंस के चालक और कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ ने पहले ही मांगें पूरी नहीं होने पर हड़ताल की चेतावनी दी थी। इसके बाद 18 नवंबर की रात आठ बजे से सभी कर्मचारी हड़ताल पर चले गए।

एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, कर्मचारियों ने गुरुवार को स्वास्थ्य मुख्यालय, नामकुम के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा कराने वाली कंपनी के सीईओ की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने सीआईडी से मांगा जवाब

रांचीः जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा आयोजित करने वाली कंपनी आईसीएन के सीइओ सोमांश प्रकाश की जमानत याचिका की सुनाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने सीआईडी से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। कोर्ट ने सीआईडी को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम मौका दिया है। सोमांश प्रकाश को सीआईडी ने 27 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया था। मामले को लेकर सीआईडी ने कांड संख्या एक 2025 दर्ज की है। यहां बता दें कि कंपनी पर क्वेश्चन पेपर लीक का आरोप है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता आदित्य पांडे ने पक्ष रखा।



रिम्स की 93.98 एकड़ जमीन का म्यूटेशन अब भी लंबित, 3000 पन्नों के रिकॉर्ड की जांच शुरू

1960 में अधिग्रहित हुई थी 262.76 एकड़ जमीन, अब तक 168.78 एकड़ का ही दाखिल-खारिज

संवाददाता



रांचीः राजधानी के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अधिगृहीत जमीन का राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करने की कवायद अब भी अधूरी है। संस्थान के लिए वर्ष 1960 में अधिग्रहित कुल 262.76 एकड़ जमीन में से 93.98 एकड़ का म्यूटेशन अब तक नहीं हो सका है। पुराने और प्रामाणिक दस्तावेजों की अनुपलब्धता के कारण यह मामला लंबे समय से लंबित है।

अब इस दिशा में नई पहल की गई है। रिम्स प्रबंधन ने जिला भू-अर्जन कार्यालय से प्राप्त करीब 3000 पन्नों के पुराने अभिलेख बड़गाईं अंचल कार्यालय को उपलब्ध कराए हैं। इन दस्तावेजों की जांच और राजस्व रिकॉर्ड से मिलान किया जा रहा है। सत्यापन पूरा होने के बाद शेष जमीन के म्यूटेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

2022 में सामने आई थी गड़बड़ीः वर्ष 2022 में रिम्स प्रबंधन को जमीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी की जानकारी मिली थी। इसके बाद तत्कालीन संपदा पदाधिकारी डॉ. शमीम हैदर और एडीए सीमा सिंह को संबंधित अभिलेख जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। लगातार प्रयास के बाद 168.78 एकड़ जमीन के दस्तावेज मिले। इनके आधार पर वर्ष 2024 में चार मौजों की जमीन का म्यूटेशन कराया गया। शेष 93.98 एकड़ के दस्तावेज नहीं मिलने के कारण दाखिल-खारिज नहीं हो सका।

खाता-प्लॉट के मिलान में आ रही परेशानीः बड़गाईं अंचल कार्यालय में उपलब्ध कराए गए करीब 3000 पन्नों के अभिलेखों की छानबीन की जा रही है। पुराने रिकॉर्ड में दर्ज खाता और प्लॉट नंबरों का वर्तमान जमीन से मिलान किया जा रहा है। जांच के दौरान कुछ मामलों में अभिलेखों में दर्ज जमीन और वास्तविक भूखंड के बीच अंतर सामने आ रहा है। कहीं प्लॉट का हिस्सा अधिग्रहित क्षेत्र से मेल नहीं खा रहा है, तो कहीं पुराने दस्तावेजों को समझने में परेशानी हो रही है। ऐसे में यह पता लगाना चुनौतीपूर्ण है कि अधिग्रहण के समय किस मौजा में किस खाता और प्लॉट की कितनी जमीन रिम्स के लिए ली गई थी।

चार मौजों में 168.78 एकड़ का म्यूटेशनः रिम्स प्रबंधन के आंकड़ों के अनुसार, अब तक चार मौजों की कुल 168.78 एकड़ जमीन का म्यूटेशन कराया जा चुका है।

म्यूटेशन की खामी से सामने आया जमीन घोटालाः रिम्स की जमीन का राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं होने का फायदा उठाकर कथित तौर पर भू-माफिया और संबंधित अधिकारियों ने अवैध खरीद-बिक्री की। आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संस्थान की करीब 10 एकड़ जमीन पर कब्जा कर उसकी बिक्री कर दी गई। इस जमीन पर बहुमंजिला इमारतें भी बनाई गईं और बाद में फ्लैट खरीदारों को बेच दिए गए।

मामला झारखंड हाईकोर्ट पहुंचने के बाद अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया गया। वहीं, पूरे प्रकरण की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) कर रहा है।

जिला अभियंता का कार्यालय,
जिला परिषद्, रामगढ़। Email:- eedbramgarh@gmail.com
अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :– RE-01, ZP/RAMGARH/08/2026-27
कार्य की विस्तृत विवरणी :–
मद–*DMFT*

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य (रु०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
6	Renovation of UPG High School Sangrampur, Gola (Ramgarh)	94,49,700.00	189000.00	10,000.00	06 (छः माह)
7	Construction of 8 ACR and Miscellaneous Works in PM Shri High School, Rajrappa Project.	1,10,08,100.00	221000.00	10,000.00	06 (छः माह)

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– दिनांक– 21.11.2026
2. ई–निविदा डालने/प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 21.11.2026 से दिनांक 27.11.2026 अपराह्न 4:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक – 27.11.2026 को अपराह्न 4:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता– जिला अभियंता, जिला परिशद, रामगढ़।
5. ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं०– 9801557645
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल *Online mode* द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते मे अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है। तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
8. निविदा *Double Bid* पद्धति से होगा।
9. इस निविदा में जिला परिशद, रामगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत समूचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट *Jharkhandtenders.gov.in* एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
ह०/– जिला अभियंता, जिला परिषद, रामगढ़।

PR 394056 District(26-27)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एआई के संकल्प

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, ह्यसैन ह्याफ्रांसिस्को घोषणाह्न के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने ह्यसैन फ्रांसिस्को घोषणाह्न को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को ह्यसुपर इंटेलिजेंस युगह्न का नाम देता है। अमेरिका की ह्यटैक्स सिलिकाह्न पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस शृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है। निश्चित रूप से ह्यसैन फ्रांसिस्को घोषणाह्न पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति शृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक-एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विवाहेतर संबंधों व कथित चीनी जासूस से संबंधों को लेकर इसके संस्थापक जेनसेन हुआंग को एनवीडिया से बाहर जाना पड़ा है। इस अनिश्चितता के बीच, टेक कंपनियों द्वारा एनवीडिया की चिप्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे भारी निवेश की निरंतरता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। निस्संदेह, अमेरिका के नेतृत्व वाली इस पहल की सफलता टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, निवेश और मजबूत घरेलू क्षमताओं पर निर्भर करेगी। अंततः एआई आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित करने का मतलब सिर्फ तकनीक पर नियंत्रण रखना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है एआई के फायदे भरोसेमंद हों, सभी की पहुंच में हों और इसे व्यापक रूप से साझा किया जा सके।

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दशार्ती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है। एक आम उपभोक्ता के लिये बढ़ती महंगाई के मायने जरूरी चीजों पर खर्च कम करना हो सकता है। ऐसे में कीमतों को स्थिर रखने की जरूरत और भी बढ़ जाती है। कालाबाजारी करने वालों और कृत्रिम रूप से महंगाई बढ़ाने वाले तत्वों पर नकेल कसना बेहद जरूरी है।

भारत की खनिज नीलामी व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी, फिर भी ठप हैं खदानें

वर्ष 2026 तक देश में 720 से अधिक प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी हो चुकी है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही रिकॉर्ड 212 ब्लॉक आवंटित किए गए, जिनमें 22 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक शामिल हैं। इससे राज्यों की खनिज आय भी पहले के मुकाबले लगभग पांच गुना बढ़ गई है, लेकिन इन उपलब्धियों के पीछे एक गंभीर समस्या छिपी हुई है। नीलाम हुए 720 से अधिक ब्लॉकों में से केवल लगभग 101 से 105 खदानें ही वास्तव में उत्पादन शुरू कर पाई हैं।

अरुण भास्कर देवरस

2015 से पहले भारत में अधिकांश गैर-कोयला खनन पट्टे सरकारी निर्णय और अधिकारियों के विवेक के आधार पर दिए जाते थे। इस व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी थी और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरीके अपनाए जाते थे। इसे बदलने के लिए केंद्र सरकार ने 2015 में खनिज (नीलामी) नियम लागू किए, जिनके तहत खनन क्षेत्र का आवंटन खुली और प्रतिस्पर्धी नीलामी के माध्यम से होने लगा। देखने में यह व्यवस्था काफी सफल रही है। वर्ष 2026 तक देश में 720 से अधिक प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी हो चुकी है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही रिकॉर्ड 212 ब्लॉक आवंटित किए गए, जिनमें 22 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक शामिल हैं। इससे राज्यों की खनिज आय भी पहले के मुकाबले लगभग पांच गुना बढ़ गई है, लेकिन इन उपलब्धियों के पीछे एक गंभीर समस्या छिपी हुई है। नीलाम हुए 720 से अधिक ब्लॉकों में से केवल लगभग 101 से 105 खदानें ही वास्तव में उत्पादन शुरू कर पाई हैं। यानी हर 100 नीलाम ब्लॉकों में से केवल 14 से 15 ही चालू हो सके हैं। इससे एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। क्या भारत की खनिज नीलामी व्यवस्था वास्तव में सफल है, या फिर जमीन पर मौजूद प्रशासनिक और कानूनी बाधाएं इसकी राह रोक रही हैं? कई खनिज ब्लॉक ऐसे क्षेत्रों में नीलाम किए जाते हैं जिनका आकार आधुनिक खनन गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं होता। पट्टे की सीमा केवल खनिज भंडार तक सीमित कर दी जाती है, जबकि खदान चलाने के लिए अतिरिक्त जमीन की भी जरूरत होती है।यह ब्लॉक केवल 6.51 हेक्टेयर क्षेत्र में नीलाम किया गया। यहां 16 सतही खनिज संकेत और 7 आंतरिक खनिज क्षेत्र मौजूद हैं, लेकिन खुली खदान चलाने के लिए निकाली गई बेकार मिट्टी और पत्थर रखने के लिए ही लगभग आधी जमीन की आवश्यकता पड़ती है।ऐसी स्थिति में खनिज प्रसंस्करण संयंत्र, सोना-चांदी निकालने की इकाइयों, खनन अपशिष्ट भंडारण क्षेत्र और मशीनों की मरम्मत जैसी जरूरी सुविधाओं के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। समस्या तब और बढ़ जाती है जब पट्टे की सीमा के बाहर भी खनिज के अच्छे संकेत दिखाई देते हैं, लेकिन उनका उपयोग नहीं किया जा सकता। नीलामी के बाद सबसे बड़ी समस्या भूमि रिकॉर्ड में विसंगतियां हैं। नीलामी दस्तावेजों में दी गई जानकारी और राजस्व, सिंचाई या वन विभाग के रिकॉर्ड कई बार आपस में मेल नहीं खाते। निवेशक यह मानकर बोली लगाते हैं कि जमीन पूरी तरह स्पष्ट है, लेकिन बाद में उन्हें पता चलता है कि भूमि पर वन विभाग का दावा है या अतिरिक्त कानूनी जिम्मेदारियां मौजूद हैं। नीलामी दस्तावेजों में इस ब्लॉक की 6.90 हेक्टेयर भूमि को पूरी तरह राजस्व भूमि बताया गया था और वन भूमि शून्य दिखाई गई थी। लेकिन जब वन विभाग से अनुमति लेने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो रिकॉर्ड में 6.65 हेक्टेयर वन भूमि सामने आई। इसके साथ ही पट्टाधारक पर लगभग 11.20 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रतिपूरक वनीकरण कराने की अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई, जिसका कोई उल्लेख नीलामी दस्तावेजों में नहीं था। कई जगहों पर ऐसी भूमि, जिसके लिए ग्राम पंचायत या जिला प्रशासन ने अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया था, बाद में वन विभाग पुराने अभिलेखों के आधार पर अपने अधिकार क्षेत्र में बता देता है। इससे परियोजनाएं वर्षों तक अटक जाती हैं। पर्यावरण संरक्षण बेहद आवश्यक है, लेकिन खनन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि कई बार पर्यावरणीय नियम और वास्तविक परिस्थितियां एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

वनों का पुनर्निर्माण किया जा सकता है और वन्यजीवों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जा सकती है, लेकिन खनिज भंडार को दूसरी जगह नहीं ले जाया जा सकता। वे केवल वहीं मौजूद रहते हैं जहां प्रकृति ने उन्हें बनाया है।

कुछ खनिज ब्लॉकों के आसपास वन्यजीव गलियारों की सीमाएं ऐसे आंकड़ों के आधार पर तय की गई हैं जो केवल कुछ बाघों की आवाजाही को दशार्ते हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि कई बार इन सीमाओं के कारण बड़े खनिज क्षेत्र खनन से बाहर हो जाते हैं।नतीजा यह होता है कि पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया वर्षों तक चलती रहती है और खदानें शुरू ही नहीं हो पातीं। वर्तमान नीलामी प्रणाली में कंपनियां खनिज के बिक्री मूल्य के प्रतिशत के रूप में बोली लगाती हैं। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार बोलियां इतनी अधिक हो जाती हैं कि परियोजना आर्थिक रूप से व्यवहारिक नहीं रह जाती। मई 2025 में इस ब्लॉक के लिए विजेता कंपनी ने 45,295 प्रतिशत की अंतिम मूल्य पेशकश की। यह आंकड़ा इतना अधिक है कि उत्पादन शुरू होने के बाद भी परियोजना की लागत और भुगतान का संतुलन बनाए रखना बेहद कठिन हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी अव्यावहारिक बोलियां बाद में परियोजना छोड़ने या वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं। वर्ष 2026 में सरकार ने इन समस्याओं को देखते हुए कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। गैर-व्यवहारिक क्षेत्रों को हटाने की अनुमतियदि किसी ब्लॉक का कुछ हिस्सा वन, नदी, वन्यजीव गलियारे या बस्ती के कारण खनन योग्य नहीं है, तो उसे पट्टे से अलग किया जा सकता है। नई ऑनलाइन व्यवस्था के तहत प्रदर्शन सुरक्षा जमा होते ही स्वचालित रूप से आशय पत्र जारी किया जा सकेगा। साथ ही, कुछ मामलों में सुरक्षा राशि वापस करने की समय सीमा भी तय की गई है। जिन परियोजनाओं को वन मंजूरी प्राप्त करने में अधिक समय लगता है, राज्य सरकारों को नीलामी से पहले राजस्व, वन, सिंचाई और पंचायत रिकॉर्ड का आपसी मिलान करना चाहिए। जमीन की स्थिति और संभावित दायित्वों की पूरी जानकारी पहले ही उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ब्लॉक की सीमा तय करते समय केवल खनिज भंडार ही नहीं, बल्कि अपशिष्ट भंडारण, प्रसंस्करण संयंत्र, कार्यालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए भी पर्याप्त भूमि शामिल की जानी चाहिए। ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिसमें अति-उच्च बोलियों को हतोत्साहित किया जा सके और परियोजना की आर्थिक व्यवहार्यता बनी रहे। वन्यजीव गलियारों की सीमाएं दीर्घकालिक और व्यापक वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर तय की जानी चाहिए, ताकि संरक्षण और खनन दोनों के बीच संतुलन बनाया जा सके। भारत ने खनिज आवंटन की पुरानी व्यवस्था से निकलकर पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी नीलामी प्रणाली अपनाकर एक महत्वपूर्ण सुधार किया है। इससे राज्यों की आय बढ़ी है और आवंटन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष बनी है, लेकिन केवल नीलामी कर देना पर्याप्त नहीं है। यदि भूमि विवाद, वन मंजूरियां, अव्यावहारिक पट्टा सीमाएं और अत्यधिक बोलियां जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, तो बड़ी संख्या में नीलाम ब्लॉक कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे। भारत के लिए असली सफलता तब होगी जब नीलाम की गई खदानें तेजी से उत्पादन शुरू करें, निवेश आकर्षित करें और देश की खनिज जरूरतों को पूरा करें।

लोकसभा: परिसीमन और चुनौतियां

संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की अटकलें तेज हैं। यदि लोकसभा की वर्तमान 543 निर्वाचित सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 हो जाती हैं तो देश की राजनीतिक व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, चुनावी गणित और सरकारी खर्च पर भी दूरगामी प्रभाव डाल सकती है।

प्रो.डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

भारतीय लोकतंत्र एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां संसद की संरचना में बड़े बदलाव की संभावनाओं को लेकर राजनीतिक और संवैधानिक बहस तेज होने वाली है। संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की अटकलें तेज हैं। यदि लोकसभा की वर्तमान 543 निर्वाचित सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 हो जाती हैं तो देश की राजनीतिक व्यवस्था, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, चुनावी गणित और सरकारी खर्च पर भी दूरगामी प्रभाव डाल सकती है। महिलाओं को राजनीति में पर्याप्त भागीदारी दिलाना निश्चित रूप से लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है

क्या भाजपा को मिलेगा राजनीतिक लाभः भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े संवैधानिक बदलाव का राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। यदि लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़कर अधिकतम 850 तक पहुंचती है, तो चुनावी क्षेत्रों का स्वरूप बदल जायेगा। नये निर्वाचन क्षेत्र बनेंगे और कई मौजूदा क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव होगा। इसका सीधा प्रभाव राजनीतिक दलों की चुनावी रणनीति पर पड़ेगा। हालांकि, यह मान लेना कि सीटें बढ़ने का सीधा लाभ केवल भाजपा को मिलेगा, राजनीतिक वास्तविकताओं को सरल बनाकर देखना होगा। नये क्षेत्रों में विपक्षी दलों की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।दक्षिण भारत को लेकर भी राजनीतिक बहस महत्वपूर्ण है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति उत्तर भारत जैसी मजबूत नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या नये परिसीमन से उत्तर भारत का राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा और भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने के लिए दक्षिण भारत पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी?

850 सांसद और आर्थिक बोझः आज देश की लोकसभा में 543 निर्वाचित सीट है, यदि यह संख्या बढ़कर 850 हो जाती है तो सांसदों की संख्या में लगभग 57 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसके साथ ही संसद के संचालन पर होने वाला खर्च भी बढ़ेगा। एक सांसद को केवल वेतन देना ही सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सांसदों को कार्यालय, आवास, यात्रा भत्ता, संसदीय क्षेत्र में कामकाज के लिए सुविधाएं, कर्मचारी, संचार व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। संसद के सत्र के दौरान सुरक्षा, परिवहन, भोजन, तकनीकी व्यवस्था और संसदीय सचिवालय पर भी खर्च होता है,यदि सांसदों की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि होती है तो इन सभी मदों में अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होगी। लोकसभा के साथ राज्यसभा की व्यवस्था और राज्य विधानसभाओं में भी सदस्यों की संख्या तथा आरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं पर प्रभाव पड़ सकता है। राज्यों में विधानसभा सीटें बढ़ती हैं तो वहां भी भवन, कार्यालय, कर्मचारी, सुरक्षा और प्रशासनिक खर्च बढ़ने की संभावना है।सवाल यह है कि क्या देश की वर्तमान वित्तीय स्थिति इस अतिरिक्त खर्च को आसानी से वहन कर सकती है? भारत जैसे विकासशील देश में अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, सड़क, पेयजल और ग्रामीण आधारभूत संरचना के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है। यदि सरकार संसद और विधानसभाओं के विस्तार पर हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च करती है, तो यह भी देखना होगा कि उस खर्च से आम जनता को प्रत्यक्ष रूप से क्या लाभ मिलेगा। लोकसभा में सांसदों की संख्या बढ़ने का एक सकारात्मक पक्ष भी है। वर्तमान में कई सांसदों को लाखों मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करना पड़ता है। निर्वाचन क्षेत्र बहुत बड़े होने के कारण सांसदों के लिए प्रत्येक गांव, पंचायत और शहरी क्षेत्र की समस्याओं पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना कठिन होता है,जो सहज हो जायेगा।

महिलाओं का आरक्षण या राजनीतिक समीकरणः महिला आरक्षण का विषय किसी एक राजनीतिक दल के लाभ-हानि से ऊपर होना चाहिए। देश की आधी आबादी को निर्णय लेने की प्रक्रिया में पर्याप्त भागीदारी मिलनी ही चाहिए। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व की जिम्मेदारी बखूबी निभा सकती हैं।

यदि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना है तो सरकार को इसके लिए स्पष्ट समय सीमा, पारदर्शी प्रक्रिया और संवैधानिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि आरक्षित सीटों का निर्धारण सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर हो।परिसीमन में केवल जनसंख्या को आधार बनाने से उन राज्यों के सामने भी सवाल खड़े होंगे जिन्होंने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है। दक्षिण भारत के कई राज्यों की चिंता यही रही है कि जनसंख्या वृद्धि को ही प्रतिनिधित्व का एकमात्र आधार बनाने से उन्हें राजनीतिक नुकसान हो सकता है। इसलिए ऐसा फार्मूला जरूरी है जो जनसंख्या के साथ-साथ संघीय संतुलन और राज्यों के योगदान का भी सम्मान करे।

सरकार को प्राथमिकता तय करनी होगीः आज भारत के सामने अनेक चुनौतियां हैं। देश को विश्व की बड़ी आर्थिक शक्तियों में शामिल करने का लक्ष्य है। इसके लिए उद्योगों का विकास, युवाओं को रोजगार, किसानों की आय में वृद्धि, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है। ऐसे समय में सरकार को यह विचार करना चाहिए कि लोकसभा की सीटों में भारी वृद्धि से होने वाला खर्च विकास की प्राथमिकताओं को प्रभावित तो नहीं करेगा। यदि अतिरिक्त खर्च को देश की अर्थव्यवस्था आसानी से वहन कर सकती है और इससे लोकतंत्र तथा जनता के प्रतिनिधित्व को मजबूती मिलती है, तो इस पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए वित्तीय पारदर्शिता और दीर्घकालीन योजना जरूरी है।

लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन विकास की कीमत पर नहींः परिसीमन, महिला आरक्षण और लोकसभा की सीटों में वृद्धि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। इनका उद्देश्य केवल सांसदों की संख्या बढ़ाना या किसी राजनीतिक दल की चुनावी ताकत मजबूत करना नहीं होना चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य जनता को बेहतर प्रतिनिधित्व देना, महिलाओं को राजनीतिक अधिकार प्रदान करना और देश की संसदीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना होना चाहिए। किसी भी संवैधानिक बदलाव का मूल्यांकन राजनीतिक लाभ के बजाय राष्ट्रीय हित के आधार पर होना चाहिए।

कन्यादान के समान पुण्य देने वाला पर्व

सनातन धर्म में कार्तिक का महीना भगवान श्रीहरि विष्णु और माता तुलसी की पूजा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, इस महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान श्रीविष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, जिसके बाद धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जाने वाले ह्यचातुर्मास कालह्न की समाप्ति हो जाती है। इसी महीने की देवोत्थान एकादशी के अगले दिन अर्थात? द्वादशी तिथि को सनातन धर्मावलंबी ह्यतुलसी विवाहह्न का महत्वपूर्ण त्योहार भी मनाते हैं, जिसमें माता तुलसी का भगवान श्रीहरि विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ पूर्ण विधि-विधानपूर्वक शुभ विवाह संपन्न कराया जाता है। इस दिन घरों में मंडप बनाकर उसमें माता तुलसी को दुल्हन की तरह सजाकर भगवान शालिग्राम के साथ स्थापित किया जाता है। महिलाएं मंगल गीत गाती हैं। इसके साथ ही, हिंदू समाज और संस्कृति में शादी-ब्याह जैसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत भी हो जाती है। तुलसी विवाह का त्योहार शनिवार, 21 नवंबर को मनाया जाएगा।

तुलसी विवाह का महत्व

भक्ति, स्वच्छता, पवित्रता, शुभारंभ तथा माता तुलसी और भगवान श्रीविष्णु के बीच पवित्र रिश्ते के प्रतीक स्वरूप मनाए जाने वाले इस त्योहार का आयोजन पूरे भारत में विवाहित महिलाओं द्वारा सुखद वैवाहिक जीवन तथा पति और परिवार के कल्याण के लिए किया जाता है। कुछ स्थानों पर यह पांच दिनों तक मनाया जाता है और कार्तिक पूर्णिमा के दिन इसकी पूर्णाहुति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी विवाह के दिन माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वैसे तो विशेष रूप से विवाहित महिलाएं ही इस त्योहार में भाग लेती हैं, लेकिन सुखद वैवाहिक जीवन की इच्छा रखने वाली युवतियां भी इस आयोजन में भक्तिभाव के साथ शामिल होती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी व्यक्ति पूर्ण भक्तिभाव के साथ तुलसी विवाह का आयोजन और पूजा-पाठ करता है, उसे कन्यादान करने के समान पुण्यफल प्राप्त होता है। श्रद्धा और भक्तिपूर्वक तुलसी विवाह का आयोजन तथा पूजा-पाठ संपन्न करने से भगवान श्रीनारायण और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

आरोग्य की वृद्धि

धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं आयुर्वेदिक महत्व वाले तुलसी के पवित्र पौधे को सनातन धर्म में महालक्ष्मी का अवतार एवं कल्याणकारी पौधा मानकर माता के रूप में पूजा जाता है। यह स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। जिस घर में तुलसी माता का वास होता है, वहां आध्यात्मिक उन्नति के साथ ही सुख-शांति एवं आर्थिक समृद्धि का आगमन भी स्वतः ही होने लगता है। इनके अतिरिक्त, वातावरण में स्वच्छता एवं शुद्धता में वृद्धि, वायु प्रदूषण का शमन तथा घर-परिवार में आरोग्य की वृद्धि आदि तुलसी के अनेकानेक लाभ हैं। उल्लेखनीय है कि तुलसी-दल एक उत्कृष्ट रसायन है। सौंदर्यवर्धन एवं रक्तशोधन इसके महत्वपूर्ण गुणों में प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। इतना ही नहीं, गुणों की दृष्टि से देखा जाए तो यह संजीवनी बूटी जैसा ही है, क्योंकि वास्तव में यह औषधियों की खान है। अथर्ववेद में तो श्यामा तुलसी को ह्यकाली औषधिह्न तथा ह्यमहौषधिह्न कहा गया है। भगवान श्रीहरि विष्णु को प्रिय होने के कारण तुलसी को ह्यवैष्णवीह्न भी कहते हैं। इसी प्रकार, तुलसी माता के महत्व को बताते हुए पद्म पुराण में भगवान महादेव ने अपने पुत्र कार्तिकेय जी से कहा है कि सभी प्रकार के पत्तों और पुष्पों में तुलसी ही श्रेष्ठ है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली बिल बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को विभाग की चेतावनी दो माह के अंदर जमा करें बकाया

साहिबगंज/उधवा : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने विद्युत उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल जमा करने की अपील की है। इस संबंध में बिजली अवर प्रमंडल राजमहल के सहायक विद्युत अभियंता भारत मंडल ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल बकाया रहने के कारण विद्युत संबंध विच्छेद लाइन कट कर दिया गया है, वे विच्छेदन की तिथि से अधिकतम दो माह के अंदर बकाया बिजली बिल की संपूर्ण राशि जमा कर नियमानुसार विद्युत संबंध पुनः चालू कराने की प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने कहा कि विद्युत संबंध विच्छेद होने के बाद संबंधित परिसर में किसी भी परिस्थिति में बिजली का उपयोग नहीं किया जाए। यदि लाइन कटने के बावजूद कोई उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। साथ ही पूर्व निर्धारित जुमार्ने के अतिरिक्त संपूर्ण बकाया राशि की वसूली भी की जाएगी। सहायक विद्युत अभियंता ने आगे बताया कि निर्धारित दो माह की अवधि के भीतर बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध विभागीय स्तर पर नियमानुसार नोटिस जारी किया जाएगा। ऐसी स्थिति में लागू प्रावधानों के तहत विलंब अधिभार, निर्धारित जुमार्ना एवं अन्य देय शुल्क भी वसूल किए जा सकते हैं। उन्होंने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की कि अनावश्यक परेशानी एवं कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए समय पर बिजली बिल का भुगतान करें तथा विभागीय नियमों का पालन करें।

हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण त्योहार कल

साहिबगंज : देवउठनी एकादशी जिसे देवोत्थान एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं हिंदू धर्म का एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन क्या-क्या होता है और कौन-कौन से मुख्य कार्य किए जाते हैं।

योग निद्रा से जागना पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी देवशयनी एकादशी को चार महीने की योग निद्रा में चले जाते हैं, और कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी देवउठनी एकादशी को जागते हैं इस दिन रात के समय शंख, घंटा-घड़ियाल, और मंजीरे बजाकर ₹उठो देव, बैठो देव, आंग्या-बियांग्या सुतियो जैसे पारंपरिक भजन गाते हुए भगवान विष्णु को जगाया जाता है।

घर की सफाई और चौक इस दिन सुबह स्नान करके घर और विशेषकर पूजा स्थल की सफाई की जाती है। आंगन या पूजा स्थान पर चावल के आटे से चौक मांडणे बनाया जाता है।चरण चिह्नः चौक के पास ही भगवान विष्णु के छोटे-छोटे चरण चिह्न पैर बनाए जाते हैं और उन्हें किसी बर्तन या साफ कपड़े से ढक दिया जाता है।गन्ने का मंडप भगवान विष्णु की पूजा के लिए गन्ने का मंडप सजाया जाता है। भगवान सिंघाड़ा, गन्ना, बेर, चने की भाजी, आमला, शकरकंद, फल और मिठाई का भोग लगाया जाता है। देसी घी का दीपक जलाया जाता है जो रात भर जलता रहता है।व्रत कथा इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के बाद व्रत कथा सुनी जाती है। इस दिन माता तुलसी और भगवान शालिग्राम का विवाह कराया जाता है। यह पर्व बड़े ही धूमधाम से एक विवाह की तरह मनाया जाता है। चातुर्मास चार महीने की अवधि का समापन होता है। इन चार महीनों में जो शुभ कार्य जैसे- विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन संस्कार आदि बंद रहते हैं, वे देवउठनी एकादशी के दिन से फिर से शुरू हो जाते हैं। इस दिन सिंघाड़ा, अन्न, वस्त्र, गुड़ और मौसमी फल का दान करना बहुत शुभ माना जाता है।रात को दीये जलाए जाते हैं और इसके कुछ दिनों बाद देव दीपावली मनाई जाती है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ निकाली गई कलशयात्रा



साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के उत्तर बेगमगंज पंचायत अंतर्गत हाटपाड़ा में लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर बुधवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा और ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। धार्मिक अनुष्ठान के प्रथम दिन भव्य कलशयात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों कुंवारी कन्याओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कलशयात्रा हाटपाड़ा स्थित दुर्गा मंदिर परिसर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद प्रारंभ हुई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कन्याएं सिर पर कलश लेकर खुटहरीटोला,गोबरगाड़ी बेलमोड़ सहित आसपास के गांवों का भ्रमण करते हुए पुनः हाटपाड़ा गंगा नदी तट पर पहुंचीं। जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र गंगाजल भरकर कलशयात्रा का समापन किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र राधे-कृष्ण के जयकारों से भक्तिमय हो उठा। आयोजकों ने बताया कि बुधवार की संध्या से प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य प्रदीप कृष्णा शास्त्री पूर्णिया बिहार द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का प्रवचन किया जाएगा। सात दिनों तक चलने वाला यह धार्मिक आयोजन मंगलवार तक जारी रहेगा। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में प्रशांत मंडल, असीम प्रमाणिक, मंटू ठाकुर सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

सकरीगली समदला में एकदिवसीय संतमत सत्संग का भव्य आयोजन

साहिबगंज : जिले के सकरीगली समदला में 18 नवंबर 2026 को एकदिवसीय संतमत सत्संग का भव्य आयोजन किया गया।यह आयोजन नारद मुनि यादव के सुपुत्र पंकज यादव के तिलक समारोह के अवसर पर किया गया।दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चले इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संतों एवं सत्संगी भाई-बहनों ने भाग लिया।सत्संग का शुभारंभ संगीत स्तुति, विनती एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद संत-महात्माओं ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सत्संग,भक्ति,सदाचार और आध्यात्मिक जीवन का महत्व बताया।कार्यक्रम के दौरान सुंदर भजन-कीर्तन की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भक्ति संगीत में भाव-विभोर नजर आए।इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता पूज्य संत श्री स्वामी सत्य प्रकाश बाबा,स्वामी विनय बाबा,अयोध्या से पधारे पंडित धनंजय वैष्णव जी महाराज,शांतिकुंज,प्रमोद भवन, भैरव बाबा,प्रयाग बाबा,तारकेश्वर बाबा,मोहन बाबा सहित अनेक साधु-संत एवं महात्मा उपस्थित रहे।

हजारों की भीड़ के बीच संपन्न हुआ दो दिवसीय गौशाला मेला, अंतरराष्ट्रीय दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम

विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को मेडल ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

संवाददाता



साहिबगंज : महादेवगंज स्थित डाकिनाथ महादेव गौशाला परिसर में गोपाष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित दो दिवसीय गौशाला मेला एवं अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का बुधवार को भव्य एवं उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ।प्रतियोगिता के अंतिम दिन भी अखाड़े में देश के विभिन्न राज्यों के साथ नेपाल से पहुंचे पहलवानों ने अपने दमखम और कुश्ती कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ी रही।पहलवानों के दांव-पेच पर दर्शकों ने तालियों और जयकारों से उनका उत्साह बढ़ाया।

जूनियर और सीनियर वर्ग में पहलवानों ने दिखाया दमखम

प्रतियोगिता के दूसरे दिन जूनियर वर्ग में 11 पहलवानों ने हिस्सा लिया। इनमें बबीता यादव गोविंदपुर, काजल यादव महादेवगंज इम्तियाज ठाकुर महादेवगंज, राहुल कुमार यादव बोरियो, गौतम कुमार गोविंदपुर, दीपू कुमार, सचिन कुमार,राहुल कुमार यादव महादेवगंज,शिवम यादव बालपुर,लवकुश कुमार और निखिल कुमार ओगापुर शामिल रहे।वहीं सीनियर वर्ग में 17 पहलवानों ने अखाड़े में अपनी ताकत और कुश्ती कला का प्रदर्शन किया।इनमें नेपाल के महावीर थापा और लक्ष्मी थापा के अलावा नीतीश कुमार बालपुर विनोद यादव महादेवगंज, बल्लू कुमार साहिबगंज अंकुश कुमार मनिहारी गौरव कुमार भागलपुर अनित पहलवान गाजीपुर,अंग्रेज यादव बक्सर मोहित पहलवान बनारस उदयवीर यादव गाजीपुर, प्रमोद पहलवान गाजियाबाद बबुआ यादव महादेवगंज, समीर कानपुर और प्रिंस यादव कटिहार सहित अन्य पहलवान शामिल हुए। मुकाबलों के दौरान अखाड़े में लगातार रोमांच बना रहा और दर्शक अंत तक डटे रहे।

विजेता पहलवानों को मेडल, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार

दो दिवसीय प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को मेडल,ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता के पहले दिन नेपाल की पहलवान उमा थापा ने गोरखपुर के पहलवान को चित कर खूब वाहवाही बटोरी थी। वहीं दूसरे दिन भी कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे।समापन समारोह में आयोजनकर्ता बजरंगी प्रसाद यादव ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पहलवानों अतिथियों आयोजन समिति के सदस्यों,जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक गौशाला मेले और दंगल की परंपरा को आगे भी पूरी भव्यता के साथ जारी रखा जाएगा। अगले वर्ष मेले एवं कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन इससे भी अधिक भव्य तरीके से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि महादेवगंज गौशाला मेले की पुरानी पहचान और गौरव को वापस लाने के साथ-साथ परिसर में भव्य स्टेडियम निर्माण का संकल्प लिया गया है।इस दिशा में सभी के सहयोग से लगातार प्रयास किए जाएंगे।कार्यक्रम का मंच संचालन राजेश यादव ने किया।

मेले के अंतिम दिन भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गौशाला मेले के अंतिम दिन भी पूरे परिसर में काफी चहल-पहल रही। श्रद्धालुओं और आम लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।लोगों ने गौ माता को चारा खिलाकर आशीर्वाद लिया।मेले में खाने-पीने की दुकानों, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और फर्नीचर की दुकानों पर लोगों की अच्छी भीड़ देखने को मिली।वहीं बच्चों ने झूला और तारामाची का आनंद उठाया। शाम होते ही रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से पूरा मेला परिसर जगमगा उठा।दो दिवसीय आयोजन ने एक बार फिर महादेवगंज गौशाला मेले की रौनक और पारंपरिक पहचान को जीवंत कर दिया।

पत्रकार के कार्यालय पर पुलिस छापेमारी का पत्रकारों ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की उठाई मांग

संवाददाता



साहिबगंज : रांची स्थित डिजिटल मीडिया कार्यालय पर पुलिस की छापेमारी और पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामले को लेकर झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की साहिबगंज जिला इकाई ने बुधवार को विरोध जताया।संगठन की ओर से मुख्य सचिव,झारखंड सरकार,रांची के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया।ज्ञापन जिला अध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में सौंपा गया।ज्ञापन में कहा गया है कि पत्रकार अभिषेक भारती के रांची स्थित डिजिटल मीडिया कार्यालय में सिमडेगा एवं रांची पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान कार्यालय के सामान जब्त किए जाने से पत्रकार समुदाय में रोष है।संगठन ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ और मीडिया की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर मामला बताया।एसोसिएशन ने कहा कि किसी भी आरोपी को न्यायालय द्वारा दोषी करार दिए जाने तक दोषी नहीं माना जाना चाहिए।संगठन ने स्पष्ट किया कि वह मीडिया ट्रायल का समर्थन नहीं करता,लेकिन पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार और मीडिया की स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।साथ ही मीडिया की स्वतंत्रता के साथ पत्रकारिता के कोड ऑफ कंडक्ट का पालन भी जरूरी बताया।संगठन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा पत्रकार के विरुद्ध की जा रही पीड़ादायक कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की।इस दौरान जिला महासचिव रबनवाज आलम,जिला सचिव आलोक कुमार,जिला कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिंह,अरविंद यादव,मनीष शर्मा,प्रदेश डिजिटल मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार,राष्ट्रीय कार्यकारिणी शिवशंकर निराला, साहित जिला कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा आदिवासी गौरव दिवस के नाम पर कर रही है नौटंकी : सिमोन मालतो

भोगनाडीह में 18 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम पर झामुमो नेता ने उठाए सवाल

संवाददाता



साहिबगंज : भाजपा द्वारा आदिवासी गौरव दिवस के आयोजन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सिमोन मालतो ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।सिमोन मालतो साहिबगंज परिसदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर आदिवासी गौरव दिवस के नाम पर राजनीतिक नौटंकी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन 15 नवंबर को होना चाहिए था,लेकिन भाजपा द्वारा 18 नवंबर को जिले के ऐतिहासिक भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।सिमोन मालतो ने आदिवासी गौरव दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन के लिए गठित प्रभारियों की सूची में एक भी आदिम जनजाति समुदाय के व्यक्ति को शामिल नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।जिस समुदाय के सम्मान और गौरव की बात की जा रही है,उसी समुदाय को कार्यक्रम की जिम्मेदारी और भागीदारी से दूर रखना भाजपा की मंशा पर सवाल खड़ा करता है।वहीं झामुमो नेता राशीद खान ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने झारखंड में कई वर्षों तक शासन किया।लेकिन विकास के नाम पर धरातल पर कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राज्य को लूटने का काम किया है ।और अब वह केवल फेसबुकिया पार्टी बनकर रह गई है।प्रेस वार्ता के दौरान झामुमो नेताओं ने भाजपा की आदिवासी राजनीति आदिवासी समाज के सम्मान और राज्य में भाजपा के पूर्व शासनकाल को लेकर सवाल उठाए।साथ ही आदिवासी गौरव दिवस के आयोजन में आदिम जनजाति समुदाय की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई।

वाहन जांच अभियान में वसूले गए 72 हजार जुर्माना

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : जिला परिवहन पदाधिकारी साहिबगंज के निदेर्शानुसार बुधवार को उधवा-केलाबाड़ी फोरलेन सड़क पर मोहनपुर टावर चौक के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मुख्य मार्ग से गुजरने वाले मोटरसाइकिल,तीन पहिया और चार पहिया वाहनों को बारी-बारी से रोककर जांच की गई। वाहन चालकों से वाहन का रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र,इंश्योरेंस,ड्राइविंग लाइसेंस,हेलमेट सहित अन्य आवश्यक कागजात की जांच की गई। जांच के दौरान काफी संख्या में मोटरसाइकिल चालक बिना हेलमेट के वाहन चलाते पकड़े गए। वहीं आवश्यक कागजात के अभाव में कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहन चालकों से जुमार्ना वसूला गया। इस संबंध में एमभीआई कुमार उत्कर्ष ने बताया कि वाहन जांच अभियान के तहत दर्जनों वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं पाए गए। उनसे नियमानुसार ऑन द स्पॉट जुमार्ना वसूला गया। उन्होंने बताया कि जांच अभियान के दौरान कुल 72 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया है। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने,वाहन चलाते समय सभी जरूरी कागजात साथ रखने और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने की अपील की। मौके पर रोड इंजिनियर अनुज परासर,आईटी सहायक राज हंस,राधानगर थाना के एएसआई कान्हू मुर्मू चौकीदार सहित अन्य मौजूद थे।

अबुआ आवास योजना के लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

साहिबगंज/उधवा : झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना के तहत उधवा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में लाभुकों को नवनिर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रखंड अंतर्गत मसना पंचायत के विभिन्न गांवों में अबुआ आवास योजना के लाभुकों के लिए गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान लाभुकों ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ अपने नए घर में प्रवेश किया।कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं स्थानीय मुखिया की उपस्थिति में लाभुकों के साथ गृह प्रवेश की खुशियां साझा की गईं। इस अवसर पर मुखिया मैदी हांसदा ने कहा कि अबुआ आवास योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है। जरूरतमंद, गरीब एवं आवासविहीन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराकर उन्हें सुरक्षित और बेहतर आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है। योजना से गरीब परिवारों का अपने पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बजरंगी यादव की अध्यक्षता में मना अहीर शौर्य व यदुकुल सम्मान दिवस

रेजांगला के वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि मेजर शैतान सिंह के अदम्य साहस और बलिदान को किया गया याद

संवाददाता



साहिबगंज : शहर के होटल कलिंगा सभागार में बुधवार को अहीर कम्युनिटी की ओर से अहीर शौर्य एवं यदुकुल सम्मान दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों की स्मृति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने की।इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान लद्दाख के रेजांगला में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस,वीरता और बलिदान की गाथा को विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि 18 नवंबर 1962 को रेजांगला की बफीर्ली पहाड़ियों पर 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के 114 वीर जवानों ने चीनी सेना के हजारों सैनिकों का डटकर मुकाबला किया था।कंपनी का नेतृत्व मेजर शैतान सिंह कर रहे थे।विषम परिस्थितियों, कड़ाके की ठंड और दुश्मन की भारी संख्या के बावजूद भारतीय जवानों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक मोर्चा संभाले रखा।उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक युद्ध में भारतीय सैनिकों ने असाधारण वीरता का परिचय दिया।मेजर शैतान सिंह घायल होने के बावजूद एक मोर्चे से दूसरे मोर्चे तक जाकर जवानों का हौसला बढ़ाते रहे और अंततःदेश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। इस युद्ध में 114 में से 113 भारतीय जवान शहीद हो गए। उनके अदम्य साहस और बलिदान के कारण चीनी सेना रेजांगला पर कब्जा करने और चुशुल की ओर आगे बढ़ने में सफल नहीं हो सकी। मेजर शैतान सिंह को उनके सर्वोच्च बलिदान और वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि रेजांगला के वीरों का शौर्य और बलिदान देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज के युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास वीरता और सामाजिक एकता से परिचित कराने का प्रयास किया जाता है।कार्यक्रम के दौरान समाज के उत्थान शिक्षा,सामाजिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर योगदान देने वाले कई लोगों को सम्मानित किया गया।आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता,आपसी भाईचारे और समाज के विकास का संदेश दिया गया।मौके पर दारा यादव,भरत यादव,नीलेश यादव,राजेश यादव,अशोक यादव, बच्चू यादव,राजन यादव सहित समाज के दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।



एट्रेस के मुताबिक, फिल्म के डायरेटर ने उनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया था। उस समय वह यह समझ नहीं पाई थीं कि यह वर्कप्लेस पर होने वाला यौन उत्पीडन है

क्या बोलीं स्वरा भास्कर?

दरअसल, द फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में स्वरा ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में फिल्म की आउटडोर शूटिंग के दौरान हुई घटना को याद किया। एक्ट्रेस के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर ने उनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया था। उस समय वह यह समझ नहीं पाई थीं कि यह वर्कप्लेस पर होने वाला यौन उत्पीड़न है, क्योंकि डायरेक्टर ने उन्हें शारीरिक रूप से छुआ नहीं था।

स्वरा ने कहा, 'मुझे उस समय यह समझ ही नहीं आया कि यह वर्कप्लेस पर होने वाला यौन उत्पीड़न है। मैंने इसे यौन उत्पीड़न के तौर पर पहचाना ही नहीं, क्योंकि उस शख्स ने मेरे साथ कोई शारीरिक संपर्क नहीं किया था।' एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय वह फिल्म 'तनु वेड्स मनु' में नजर आई थीं और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही थीं।

56 दिन की शूटिंग छोड़ना नहीं चाहती थीं एक्ट्रेस

स्वरा ने बताया कि फिल्म का शूटिंग शेड्यूल 56 दिनों का था और शूटिंग शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद कथित तौर पर उनके साथ यह सब होने लगा था। हालांकि, वह फिल्म छोड़ना नहीं चाहती थीं, क्योंकि उन्हें अपने करियर की चिंता थी। वह नहीं चाहती थीं कि इस वजह से उनके हाथ से काम करने का एक अच्छा मौका निकल जाए। उन्होंने कहा, 'मैं यह प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहती थी। मैं काम नहीं खोना चाहती थी। मेरे अपने सपने और महत्वाकांक्षाएं भी हैं, है ना? और इसमें गलत क्या है?'

15 साल बाद छलका दर्द

शूटिंग के दौरान डायरेक्टर की गंदी हरकतों का शिकार हुई थीं अभिनेत्री

स्वरा भास्कर हाल ही में 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आई थीं। अब हाल ही में अभिनेत्री ने बताया कि साल 2011 में एक डायरेक्टर ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर एक बार फिर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि साल 2011 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। उस वक्त वह फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही थीं। ऐसे में न तो उनके पास अपनी कोई पर्सनल टीम थी और न ही कोई ऐसा करीबी था, जिसे वह अपनी परेशानी बता सकें। करियर की शुरुआत में मिले इस अनुभव को स्वरा उस समय ठीक से समझ भी नहीं पाई थीं। हालांकि, कई साल बाद मीटू मूवमेंट के दौरान दूसरी महिलाओं के अनुभव पढ़ने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ जो हुआ था, वह भी यौन उत्पीड़न ही था।

भारत बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट

पहले दिन किवी बल्लेबाजों ने 5 विकेट पर बनाए 243 रन, निकोल्स का शतक

वेलिंग्टन (न्यूजीलैंड)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंग्टन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट के नुकसान पर 243 रन बना लिए हैं। स्टंप्स के समय हेनरी निकोल्स 221 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 113 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि ग्लेन फिलिप्स 182 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 94 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे।

भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अब तक तीन विकेट झटके हैं। वहीं, अंशुल कंबोज और आकाशदीप को एक-एक सफलता मिली है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी के लिए उतरी



न्यूजीलैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरूआती झटके देते हुए 70 रन के स्कोर तक मेजबान टीम के पांच बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद डेवोन कॉनवे 4 रन, रचिन रवींद्र 15 रन, डेरिल मिचेल एक रन और टॉम ब्लंडेल 5 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय गेंदबाजों की दमदार शुरूआत को देखते हुए लग रहा था कि न्यूजीलैंड की पहली पारी जल्द सिमट जाएगी।

हालांकि, इसके बाद हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने मोर्चा संभाल लिया। दोनों बल्लेबाजों ने संयम और धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए पारी को आगे बढ़ाया और अटूट साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 240 के पार पहुंचाया। इस दौरान निकोल्स ने अपना शतक भी पूरा किया, जबकि फिलिप्स अपने शतक से महज छह रन दूर हैं।

निकोल्स को पारी के दौरान एक जीवनदान भी मिला। जब वह 102 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तब देवदत्त पडिक्कल ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय टीम को इस गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा और निकोल्स ने इसका पूरा फायदा उठाया।

फिलहाल पहले दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। निकोल्स 113 और फिलिप्स 94 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। दूसरे दिन भारतीय गेंदबाजों की कोशिश इस साझेदारी को जल्द तोड़कर न्यूजीलैंड की पारी को समेटने की होगी।

भोपाल में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी आज से

पहले मैच में मलेशिया से भिड़ेगी भारतीय महिला हॉकी टीम



भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आज गुरुवार को महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का आगाज होने जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन मेजबान भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान की शुरूआत मलेशिया के विरुद्ध करेगी। भारत और मलेशिया के बीच मुकाबला शाम 4:35 बजे खेला जाएगा। प्रतियोगिता में भारत सहित चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की छह टीमें हिस्सा लेंगी।

मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि मध्य प्रदेश के खेल इतिहास में पहली बार इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय हॉकी देखने तथा उससे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। शानदार उपलब्धियों के साथ मैदान में उतरेगी भारतीय टीम, चौथे खिताब पर नजर %

भारतीय महिला हॉकी टीम इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत अब तक तीन बार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुका है। पिछले दो संस्करणों में भी भारतीय टीम ने लगातार

- 28 नवंबर तक छह देशों के बीच होगी खिताबी जंग, मौजूदा चैंपियन भारत की नजर चौथी बार ट्रॉफी जीतने पर

चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दक्षिण कोरिया के नाम भी तीन खिताब हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास चौथी बार ट्रॉफी जीतकर इस प्रतियोगिता के इतिहास की सर्वाधिक सफल टीम बनने का अवसर है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए वर्ष 2026 उपलब्धियों से भरा रहा है। टीम ने हैदराबाद में आयोजित एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित की। इसके बाद न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आयोजित एफआईएच महिला नेशंस कप में भारत ने अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर खिताब अपने नाम किया और एफआईएच प्रो लीग में पदोन्नति हासिल की।

बेल्जियम में आयोजित महिला हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया, जो वर्ष 1974 के बाद विश्व कप में भारतीय महिला हॉकी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। वहीं, जापान में आयोजित एशियन गेम्स में भारतीय महिला टीम ने 44 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।

पहले दिन तीन मुकाबले, शाम 4:35 बजे भारत और मलेशिया की भिड़ंत

प्रतियोगिता के पहले दिन तीन मुकाबले खेले जाएंगे। दोपहर 1 बजे चीन और थाईलैंड के बीच पहला मुकाबला होगा। इसके बाद दोपहर 3:15 बजे जापान और दक्षिण कोरिया आमने-सामने होंगे। दिन का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला शाम 4:35 बजे भारत और मलेशिया के बीच खेला जाएगा। भारतीय टीम लीग चरण में पांच मुकाबले खेलेगी। मलेशिया के बाद 21 नवंबर को भारत का मुकाबला दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा। प्रतियोगिता राउंड रॉबिन प्रारूप में आयोजित होगी। सभी टीमें एक-दूसरे के विरुद्ध मुकाबला करेंगी और लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। 27 नवंबर को सेमीफाइनल मुकाबले तथा 28 नवंबर को ब्रॉन्ज मेडल और गोल्ड मेडल के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 28 नवंबर को शाम 7 बजे होगा।भारतीय टीम ने प्रतियोगिता से पहले जापान के विरुद्ध अभ्यास मैच में 4-1 से शानदार जीत दर्ज की है। मुख्य कोच स्वोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में टीम अपनी रणनीति और खेल में विविधता लाने पर काम कर रही है।

वेलिंगटन टेस्ट: सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर हर्षा भोगले और आकाश चोपड़ा ने जताई हैरानी



वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम मैनेजमेंट के प्लेइंग इलेवन से जुड़े फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम की अंतिम एकादश में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिली। सिराज को बाहर रखने के फैसले पर क्रिकेट जगत में भी चर्चा शुरू हो गई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले और पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इस पर अपनी हैरानी जाहिर की है। भारतीय टीम ने इस मुकाबले के लिए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। वहीं, विदेशी परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के अहम सदस्य माने जाने वाले मोहम्मद सिराज को बाहर बैठना पड़ा। सिराज को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किए जाने पर मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि भारतीय टीम द्वारा सिराज को बाहर किए जाने से वह हैरान और निराश हैं ।।भोगले ने कहा कि सिराज ने वह सब कुछ किया है, जो उनसे करने को कहा गया। बुमराह की गैरमौजूदगी में उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभाली और खुद को एक बेहतरीन तथा सकारात्मक टीम खिलाड़ी साबित किया। कंबोज को शुभकामनाएं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सिराज के साथ इस फैसले को लेकर पूरी ईमानदारी से बातचीत की गई होगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर आश्चर्य जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को जगह नहीं मिलना उनके लिए वास्तव में हैरान करने वाला फैसला है। टॉस के दौरान कप्तान शुभमन गिल ने भी माना कि टीम संयोजन चुनना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट पिछले एक सप्ताह से इस पर विचार कर रहा था कि किन खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरना चाहिए, क्योंकि सभी तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। गिल के मुताबिक, सिराज और गुरनूर को बाहर रखना बेहद मुश्किल फैसला था। दोनों ने वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था और गुरनूर को तो प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया था। हालांकि, टीम को उम्मीद है कि चुने गए तेज गेंदबाज अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभाएंगे। मोहम्मद सिराज का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन शानदार रहा है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 23 विकेट हासिल किए थे। ओवल में खेले गए टेस्ट मुकाबले में नौ विकेट लेकर भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीलंका के खिलाफ पिछली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी सिराज ने चार विकेट हासिल किए थे। अपने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही सिराज विदेशी परिस्थितियों में भारतीय टीम के भरोसेमंद तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अब तक भारत के लिए 48 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 144 विकेट दर्ज हैं। इस दौरान उन्होंने आठ बार एक पारी में चार विकेट और पांच बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सिराज को बाहर रखने का फैसला निश्चित तौर पर चर्चा का विषय बन गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन : केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा।

भावुक हुई सृष्टि सिंह

अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया।



उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। ' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं.

गुस्से में लिखा गया था...

Kishore Kumar का आइकॉनिक गीत

60 के दशक का पुराना गाना आज भी है अमर



सिनेमा जगत के महान गायक रहे किशोर कुमार का एक गाना गीतकार द्वारा गुस्से में लिखा गया था। फिल्मी गानों के लेकर कई तरह के रोचक किस्से सिनेमा जगत में मौजूद हैं। खासतौर पर पुराने जमाने में ऐसे गीत रहे, जिनके पीछे कोई न कोई दिलचस्प किस्सा शामिल था। ऐसा ही एक सॉन्ग महान गायक किशोर कुमार का था, जिसके बोल गीतकार द्वारा गुस्से में लिखे थे। खास बात ये थी कि वह गीत किशोर दा की फिल्म के लिए भी नहीं लिखा गया था। फिर भी 64 सालों से उनकी आवाज में ये गाना सिनेमा की दुनिया में अमर है। आइए जानते हैं कि वह कौन सा सदाबहार सॉन्ग है।

कागज पर लिख दी थीं दो लाइनें

वह दो लाइनें थीं- छोटी सी ये दुनिया, पहचाने रस्तें हैं, तुम कभी तो मिलोगे, कहीं तो मिलोगे तो पूछेंगे हाल... जब फिल्म रंगोली का निर्माण हुआ तब शंकर-जय किशन ने शैलेंद्र से कहा था कि गाने का मुखड़ा हमारे पास है और आप इसका अंतरा लिखे दें। लेकिन शैलेंद्र हैरान हुआ और कहा कि मैंने तो कोई गीत नहीं लिखा। फिर संगीतकार ने उन्हें ऑफिस ब्वॉय वाला वही पेपर दिखाया, जो शैलेंद्र ने गुस्से में लिखा था। ऐसे जाकर रंगोली फिल्म का किशोर कुमार वाला गाना बना।

गुस्से में लिखा गया किशोर कुमार का गीत

जिस गीत के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, वह साल 1964 में रिलीज हुई फिल्म रंगोली से नाता रखता है। जिसमें किशोर कुमार और अभिनेत्री वैजयंतीमाला ने अहम भूमिका को अदा किया था। रंगोली फिल्म के उस सॉन्ग के बोल थे- छोटी सी दुनिया...। इस गाने को किशोर दा ने अपनी मधुर आवाज में गाकर अमर किया और इसके लिरिक्स हिंदी सिनेमा के महान गीतकार शैलेंद्र द्वारा लिखे गए थे। फेसबुक पेज फिल्मी ख्याल की रिपोर्ट के आधार पर ऐसा बताया जाता है कि इस गाने के मुखड़े को शैलेंद्र ने गुस्से में लिखा था। दरअसल बात 60 के दशक की शुरुआत की है, जब राज कपूर फिल्म कॉलेज गर्ल को बनाने की तैयारी में थे और इस फिल्म के लिए संगीतकार शंकर-जय किशन की जोड़ी को चुना गया था, जो उस वक्त राज साहब के फेवरेट माने जाते थे। गीतकार के तौर पर अक्सर शैलेंद्र और हसरत जयपुरी इन संगीतकार की जोड़ी के पसंदीदा था। लेकिन शैलेंद्र को ये जानकारी मिली की शंकर-जयकिशन ने किसी तीसरी गीतकार को कॉलेज गर्ल के काम सौंपा है तो वह गुस्से में आग बबूला हो गए और हसरत जयपुरी को साथ में लेकर सीधा शंकर-जयकिशन के ऑफिस पहुंच गए। वहां उनको कोई नहीं मिला और फिर शैलेंद्र ने गुस्से में ऑफिस ब्वॉय को बुलाकर एक पेपर पर दो लाइन लिखकर शंकर-जय किशन को देने के लिए कह दिया था।

राहुल गांधी विदेश में भारत को बदनाम कर रहे : किरेन रिजिजू

एजेंसी



नई दिल्ली : केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने अमेरिका में दिए गए राहुल गांधी के बयानों को लेकर उन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर राहुल गांधी के बयानों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं होती, लेकिन जब देश का नेता प्रतिपक्ष विदेश जाकर भारत के बारे में तथ्यहीन और गलत बातें करता है, तो आपत्ति दर्ज कराना जरूरी हो जाता है। राहुल गांधी अमेरिका और दूसरे देशों में जाकर भारतीय अर्थव्यवस्था के ध्वस्त होने की बात करते हैं, जबकि पूरी दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्वीकार कर रही है। रिजिजू ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक प्रगति को स्वीकार कर रही हैं। इन संस्थाओं का कहना है कि भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। ऐसे में राहुल गांधी का भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपनी कार्यशैली में सुधार करना चाहिए और देश की उपलब्धियों को कमतर दिखाने से बचना चाहिए। राहुल गांधी के भारत में लोकतंत्र और वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए रिजिजू ने कहा कि यदि देश में लोकतंत्र नहीं होता तो राहुल गांधी पूरे दिन विरोध प्रदर्शन कैसे कर पाते और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा तथा सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कैसे कर पाते? उन्होंने कहा कि अगर भारत में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी नहीं होती तो राहुल गांधी को सुबह से रात तक अपनी बात रखने की स्वतंत्रता कहां से मिलती? केंद्रीयमंत्री ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है, जहां आम नागरिक से लेकर राजनीतिक नेताओं तक सभी को अपनी बात रखने की पूरी आजादी है। इसके बावजूद राहुल गांधी विदेश जाकर भारत में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं होने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर राहुल गांधी इस तरह के बयानों से क्या साबित करना चाहते हैं? रिजिजू ने गरीबी के मुद्दे पर भी राहुल गांधी और कांग्रेस को घेरा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में 50 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे और अत्यधिक गरीबी से बाहर आए। उनके अनुसार, भारत ने गरीबी कम करने के मामले में दुनिया में सबसे तेज प्रगति का रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने कई बार 'गरीबी हटाओ' का नारा देकर चुनाव लड़ा और सत्ता हासिल की, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में वास्तव में गरीबी खत्म करने के लिए क्या किया गया? रिजिजू ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत उस स्थिति में पहुंचा है, जहां गरीबी लगभग समाप्त होने की दिशा में है और देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

रिजिजू ने राहुल गांधी को सलाह देते हुए कहा कि पहली बात, उन्हें देश में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी नहीं होने की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में अपनी मर्जी से घूमते हैं, विदेश यात्राएं करते हैं और प्रधानमंत्री मोदी पर लगातार हमले करते हैं। ऐसे में उन्हें यह नहीं कहना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र या स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से खुद से और दूसरों से झूठ नहीं बोलने की अपील की।

दूसरी सलाह देते हुए रिजिजू ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज एक मजबूत और उज्ज्वल अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक आर्थिक विकास का इंजन बन रही है। इसे 'डेड इकोनॉमी' कहना गलत है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति को कमतर दिखाकर और भारत को बदनाम करके राहुल गांधी आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं? रिजिजू ने राहुल गांधी के बयानों के पीछे उनकी अपनी सोच के साथ-साथ विदेशी भारत विरोधी ताकतों की भूमिका होने की आशंका भी जताई। उन्होंने कहा कि संभव है कि राहुल गांधी खुद भारत के खिलाफ बोलना और देश को बदनाम करना चाहते हों या फिर दुनिया भर में सक्रिय भारत विरोधी ताकतें उन्हें ऐसा करने के लिए उकसा रही हों। दोनों ही बातें संभव हैं।

तिलक से लौट रही स्कॉर्पियो गाड़ी मरिया धार में गिरी, छह की मौत,एक इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

अररिया : जिले के ताराबाड़ी थाना क्षेत्र में बीड़ी पुल के समीप स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर देर रात मरिया धार में पलट गई।जिसमें छह लोगों की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है,जिसे इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।स्कॉर्पियो गाड़ी में सात लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है और यह गाड़ी ताराबाड़ी से अररिया की ओर लौट रही थी,इसी क्रम में बीड़ी पुल के पास गाड़ी पुल से नीचे नहर में गिर गई। सभी लोग स्कॉर्पियो पर सवार होकर तिलक समारोह से लौट रहे थे। सूचना पर ताराबाड़ी थानाध्यक्ष सहित पुलिस मौके पर पहुंचकर नहर से स्थानीय लोगों के मदद से सात लोगों को बाहर निकाला और इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया।जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने छह के पूर्व में ही मौत हो जाने की बात कही।जबकि गंभीर रूप से घायल एक का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।जेसीबी और स्थानीय लोगों की मदद से पलटी स्कॉर्पियो गाड़ी को बाहर निकाला गया है।घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद हैं। सदर अस्पताल में मौके पर डीएसपी हेडक्वार्टर रजनीश कुमार ने बताया कि सभी सुपौल जिला के पिपरा बाजार के थूमहा गाँव के रहने वाले हैं।स्कॉर्पियो सवार लोग सिकटी के भपटियाही में संजय मंडल के घर लड़का को तिलक चढ़ाने के लिए गए हुए थे और बीड़ी पुल के पास तीखा मोड़ के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर मरिया धार में गिर गई। स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या बीआर 01पीएच 9700 में सात लोग सवार थे,जिनमें से छह लोगों की मौत हो गई,जबकि एक घायल को सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।सभी शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।हादसे में ड्राइवर समेत छह लोगों की मौत हुई है।

थोक विक्रेताओं को लेना होगा अलग लाइसेंस, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और एनडीपीएस दवाओं की बिक्री पर भी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने थोक में बेची जाने वाली बल्क दवाओं (सक्रिय और निष्क्रिय औषधीय पदार्थों) के लिए अलग लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव किया है। इसके लिए मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया है। प्रस्तावित बदलाव लागू होने के बाद बल्क दवाओं के थोक कारोबार के लिए अलग आवेदन और लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला में जवाबदेही बढ़ाना और उनके वितरण पर नियामकीय नियंत्रण मजबूत करना है। मंत्रालय की ओर से 02 नवंबर को जारी मसौदा गजट अधिसूचना संख्या जीएसआर 987 (ई) के तहत नया आवेदन फॉर्म-19-बीसी और लाइसेंस फॉर्म-20-बीसी शुरू करने का प्रस्ताव है। फिलहाल मौजूदा व्यवस्था में एक ही लाइसेंस के तहत दवाओं के फॉर्मूलेशन और बल्क ड्रग्स, दोनों की थोक बिक्री की अनुमति मिलती है। नई व्यवस्था में इन दोनों के लिए अलग-अलग लाइसेंसिंग प्रावधान होंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत थोक विक्रेताओं को अपने लाइसेंस में उन बल्क दवाओं की श्रेणियों का उल्लेख करना होगा, जिनका वे कारोबार करते हैं। इसमें नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के दायरे में आने वाली दवाएं भी शामिल होंगी। इसके अलावा बल्क दवाओं की बिक्री और वितरण किसी सक्षम व्यक्ति की व्यक्तिगत निगरानी में करना होगा। इससे दवाओं के रखरखाव और वितरण की जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय का मानना है कि अलग लाइसेंसिंग व्यवस्था से बल्क दवाओं की थोक बिक्री पर बेहतर नियंत्रण स्थापित होगा। साथ ही एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस यानी रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने की समस्या से निपटने और एनडीपीएस के तहत आने वाली दवाओं की आपूर्ति एवं आवाजाही पर निगरानी मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस प्रस्ताव पर पहले ही औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) की 67वीं बैठक में 17 नवंबर 2025 को सहमति दी गई थी। इसके बाद औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) की 93वीं बैठक में 16 फरवरी 2026 को भी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रालय ने मौजूदा लाइसेंस धारकों को नई व्यवस्था के अनुरूप बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय देने का प्रावधान भी रखा है। उनके लिए नए नियम वर्तमान लाइसेंस की रिटेंशन अवधि समाप्त होने या संशोधन के अंतिम प्रकाशन के 12 महीने बाद, इनमें से जो भी अवधि बाद में पूरी होगी, उसके बाद लागू होंगे।

चक्रवात अक्वान: जल संसाधन विभाग ने रात्रि गश्त बढ़ाई, पांच जिलों में वरिष्ठ इंजीनियर तैनात

एजेंसी



भुवनेश्वर : चक्रवात अक्वान के ओडिशा तट की ओर बढ़ने के मद्देनजर जल संसाधन विभाग ने संवेदनशील नदी क्षेत्रों, जलाशयों और तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी तथा रात्रि गश्त तेज कर दी है। आपात स्थिति से निपटने और तैयारियों को मजबूत करने के लिए पांच जिलों में वरिष्ठ इंजीनियरों को भी तैनात किया गया है। गंजाम जिले के भंजनगर जलाशय और धनेई बांध सहित महत्वपूर्ण जल संरचनाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यहां तैनात टीमें जलस्तर, जलाशयों की स्थिति और बांधों की सुरक्षा पर नजर रख रही हैं।

भंजनगर के हाड़ी साही के निकट लोहारा खंडी नदी के संवेदनशील हिस्सों में भी रात्रि गश्त बढ़ा दी गई है। विभागीय कर्मी रातभर नदी की स्थिति और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ ने वरिष्ठ इंजीनियरों को 19 से 21 नवंबर तक संबंधित जिलों में तैनात रहने का निर्देश दिया है। बालेश्वर, भद्रक, क्योंझर, पुरी और केंद्रापड़ा जिलों में अधिकारियों की तैनाती की गई है। ये अधिकारी सुवर्णरेखा, बुढाबलंग, बैतरणी, ब्राह्मणी और महानदी नदी प्रणालियों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में तैयारियों की निगरानी करेंगे। तैनात अधिकारियों को संवेदनशील तटबंधों, बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं और नदी तट संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करने, तैयारियों की समीक्षा करने, मरम्मत एवं बहाली कार्यों की निगरानी करने तथा जिला प्रशासन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका वाले जिलों में संवेदनशील स्थानों पर निरीक्षण भी तेज कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश में सीजन में पहली बार 9 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा, अगले तीन दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी



भोपाल : पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी दिखने लगा है। प्रदेश में इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। कटनी के करौंदी में बीती रात पारा 8.9 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, भोपाल और जबलपुर में ठंड का असर पचमढ़ी से भी अधिक रहा। बढ़ती ठंड के बीच 20, 21 और 22 नवंबर को प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से प्रदेश में मौसम बदलेगा। इसका असर 20 नवंबर से दिखाई देने लगेगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभाग में आंधी-बारिश का अलर्ट है। शहडोल और डिंडौरी में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे के दौरान चार इंच से अधिक पानी गिर सकता है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

पूर्वानुमान के मुताबिक, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भी मौसम प्रभावित हो सकता है। 21 नवंबर को सीधी और अनूपपुर में भारी बारिश का अनुमान है, जबकि 22 नवंबर को भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

प्रदेश में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। बीती रात 20 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। करौंदी के बाद शहडोल का कल्याणपुर 9 डिग्री तापमान के साथ दूसरा सबसे ठंडा स्थान रहा।

शुरूआती कारोबार में एमसीएक्स पर सोने पर बना दबाव, चांदी और कच्चे तेल में रिकवरी का रुख

एजेंसी



नई दिल्ली : घरेलू कमोडिटी बाजार (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज- एमसीएक्स) में आज सुबह के शुरूआती कारोबार के दौरान मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। शुरूआती कारोबार में सोने और एल्यूमिनियम में गिरावट जारी है, जबकि चांदी और कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) में निचले स्तर से हल्की रिकवरी लौटती नजर आ रही है। इसी तरह बेस मेटल सेगमेंट में भी शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों द्वारा ब्याज दरों पर सख्त रुख अपनाए जाने के संकेतों और डॉलर इंडेक्स की मजबूती के कारण सोने की कीमत पर आज लगातार दबाव बना हुआ है। इस दबाव का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) से लेकर घरेलू कमोडिटी बाजार (एमसीएक्स) तक नजर आ रहा है। इसके विपरीत, पिछले सत्र की भारी गिरावट के बाद आज सुबह चांदी और कच्चे तेल में निचले स्तर पर खरीदारी होने से हल्की रिकवरी दर्ज की गई है। सबसे पहले बात सोना और चांदी के कारोबार की। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सुबह सोने और चांदी की चाल एक-दूसरे से अलग दिखाई दे रही है। दिसंबर डिलीवरी वाला सोना पिछले बंद भाव की तुलना में 495 से 518 रुपये यानी करीब 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,29,296 से 1,29,319 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता देखा गया। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में निचले स्तर से हल्की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 383 से 406 रुपये यानी करीब 0.24 प्रतिशत मजबूत होकर 1,61,117 से 1,61,140 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कामकाज कर रही है।

एनर्जी मार्केट में वैश्विक स्तर पर सप्लाई सरप्लस होने यानी आपूर्ति बढ़ने की संभावना के बीच कच्चे तेल की कीमत में सुबह सीमित दायरे का उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 91.26 से 92.99 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। इसी तरह अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट यानी डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.65 से 83.84 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में स्थिर होने की कोशिश कर रहा है। घरेलू स्तर पर एमसीएक्स पर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला कच्चा तेल 74 रुपये यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,721 रुपये प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में भी आज सुबह सतर्कता और कमजोरी का माहौल कायम है। वैश्विक विनिर्माण मांग को लेकर बनी चिंताओं के बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर एल्यूमिनियम वायदा कमजोरी के साथ 310.25 से 313.00 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर के आसपास कारोबार करता देखा गया।

24 नवंबर को मनाया जाएगा 'सुशासन दिवस सह नीतीश संवाद', जदयू ने तेज किया जनसंपर्क

एजेंसी



भागलपुर : आगामी 24 नवंबर को भागलपुर के टाउन हॉल प्रांगण में आयोजित होने वाले 'सुशासन दिवस सह नीतीश संवाद' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर गुरुवार को सुल्तानगंज में जदयू द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। नगर परिषद सुल्तानगंज के वार्ड संख्या 14, 15, 16, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 और 27 सहित अन्य वार्डों में जदयू पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बैठकें कर लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस जनसंपर्क और तैयारी कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू नगर अध्यक्ष मनीष कुमार ने की, जबकि इस दौरान सुल्तानगंज के जदयू विधायक डॉ. (प्रो.) ललित नारायण मंडल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला स्तर से नियुक्त पर्यवेक्षक विनय कुमार, रानी झा और राहुल कुमार ने नगर परिषद के विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया। जनसभाओं के दौरान वक्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के साथ साझा किया। उपस्थित कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने उनके कार्यकाल को बिहार के विकास का 'स्वर्णिम काल' बताते हुए आगामी 24 नवंबर को इसे सुशासन दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जदयू के वरिष्ठ कार्यकर्ता शशि भूषण मंडल, प्रेमजीत कुमार, बिंदेश्वरी मंडल, उपेंद्र शर्मा, नरेश मंडल और राजकुमार झा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

चेन्नई में वाहन से 140 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

चेन्नई : शहर के माधवरम के पास राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों द्वारा की गई अचानक वाहन जांच में 140 करोड़ रुपये मूल्य की 70 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है। चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी और उनके इस्तेमाल को रोकने के लिए विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियां सघन निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में तस्करी के वाहन को रोककर भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 148 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। इस वाहन में सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों से अडयार स्थित केंद्रीय राजस्व खुफिया निदेशालय के कार्यालय में अधिकारियों द्वारा लगातार पूछताछ की जा रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन कहां से लाई गई थी, इसे कहां ले जाने की योजना थी और इस तस्करी गिरोह के पीछे किन-किन अन्य लोगों की संलिप्तता है। इस तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों से जानकारी के आधार पर इस तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनसे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी करने के लिए अधिकारी लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

प्रचंड की सलाह- मोदी के साथ बैठक में पंचेश्वर परियोजना का मुद्दा उठाएं बालेन्द्र

काठमांडू : नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के संयोजक और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को आगामी भारत दौरे के दौरान पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना का मुद्दा प्रमुखता से उठाने का सुझाव दिया है। रूस का दौरा पूरा कर गुरुवार को स्वदेश लौटे प्रचंड ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने पंचेश्वर परियोजना सहित नेपाल-भारत सहयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों को आगे बढ़ाया था। अब मौजूदा नेतृत्व को इन परियोजनाओं को अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान पंचेश्वर परियोजना को आगे बढ़ाने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच बिजली व्यापार से संबंधित त्रिपक्षीय समझौते और कृषि विकास से जुड़े सहमति एवं समझौतों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रचंड के मुताबिक, नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र के विकास और क्षेत्रीय सहयोग के लिहाज से बिजली व्यापार संबंधी समझौते महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में भारत यात्रा के दौरान इन विषयों पर ठोस प्रगति करने की कोशिश होनी चाहिए। प्रधानमंत्री शाह की कार्यशैली और उनकी भारत यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रचंड ने कहा कि मौजूदा प्रधानमंत्री के काम करने के तरीके और विदेश दौरे को लेकर कुछ अस्पष्टता जरूर है। हालांकि, उन्होंने अपनी राजनीतिक भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार अच्छा काम करेगी तो उनका समर्थन और सहयोग रहेगा, जबकि गलत काम करने पर वे उसकी आलोचना करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को सहयोग मिलेगा, लेकिन सरकार के कामकाज का मूल्यांकन उसके फैसलों और परिणामों के आधार पर किया जाएगा। पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना नेपाल और भारत के बीच महाकाली नदी के जल के उपयोग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संयुक्त परियोजना है। इसके तहत जलविद्युत उत्पादन, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण जैसे विषय शामिल हैं। लंबे समय से चर्चा और विभिन्न स्तरों पर बातचीत के बावजूद परियोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। प्रचंड के बयान से संकेत मिलता है कि वह प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा सहयोग, बिजली व्यापार, कृषि और पंचेश्वर परियोजना जैसे लंबित द्विपक्षीय मुद्दों को प्रमुखता देने के पक्ष में हैं।

श्रम विभाग की योजना बनी श्रमिक परिवार का सहारा

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में रायपुर के गुढ़ियारी निवासी जागेश्वरी ध्रुव को मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। श्रीमती ध्रुव का पिछले तीन वर्षों से श्रम कार्ड बना हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्हें श्रम विभाग के माध्यम से योजना की जानकारी मिली थी। योजना के तहत मिलने वाली 20 हजार रुपये की सहायता राशि 2 नवंबर को उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। यह राशि उनके परिवार के लिए बड़ी मदद साबित हुई है। जागेश्वरी बताती हैं कि, वे इस राशि का उपयोग बच्चे के पालन-पोषण में कर रहीं है। यह राशि बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जागेश्वरी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ शासन श्रमिकों के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहा है और उनका लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रहा है।

भारत मंडपम में 20 को गूंजेगी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारंपरिक नृत्यों की होगी भव्य प्रस्तुति

रायपुर : देश की राजधानी में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शुक्रवार, 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक कलाओं का भव्य प्रदर्शन करेगा। भारत मंडपम नई दिल्ली के एम्फी थिएटर-01 में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य दिवस समारोह में प्रदेश के लोक कलाकार सात पारंपरिक नृत्य शैलियों के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। शाम पांच बजे से आयोजित होने वाले इस समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि होंगे, जबकि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकनृत्य होंगे। इनमें गौर नृत्य, गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ, पंथी और करमा नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल हैं। इन लोकनृत्यों के माध्यम से प्रदेश के जनजातीय जीवन, सामाजिक परंपराओं, लोक आस्थाओं और ग्रामीण संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और संगीत की संगत में कलाकारों की प्रस्तुतियां दिल्ली के दर्शकों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक दुनिया से रूबरू कराएंगी। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की विशेषता उसकी विविधता और सामुदायिक जीवन से जुड़ाव है। गौर नृत्य बस्तर की जनजातीय परंपराओं और प्रकृति से जुड़ी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रतीक है। गौरा-गौरी और भोजली लोक आस्था एवं पारंपरिक उत्सवों से जुड़े हैं। राउत नाचा छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। वहीं सुआ नृत्य महिलाओं की सामूहिक लोक अभिव्यक्ति, पंथी नृत्य सतनाम पंथ की आध्यात्मिक परंपरा और करमा नृत्य जनजातीय जीवन, प्रकृति तथा सामूहिक उल्लास का प्रतीक है। राज्य दिवस समारोह में उप मुख्यमंत्रीगण, मंत्रीगण, सांसद, विधायक, निगम-मंडल एवं आयोगों के अध्यक्षों सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। संस्कृति एवं राजभाषा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की पारंपरिक लोक कलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और देश-विदेश से आने वाले लोगों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है।

बांग्लादेश में उपद्रवियों ने यात्री बस और ट्रक में लगाई आग

ढाका (बांग्लादेश) : नारायणगंज में गुरुवार सुबह दो स्थानों पर उपद्रवियों ने एक यात्री बस और भूसे से लदे ट्रक में आग लगा दी। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये घटनाएं ढाका-चटगांव राजमार्ग पर कांचपुर पुल के पास और एशियन हाइवे पर मीररटेक बाजार के पास हुई हैं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में पुलिस और स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सुबह करीब 9:30 बजे कांचपुर पुल के पास ढाका जाने वाली लेन पर 'तिशा परिवहन' की एक यात्री बस में आग लगा दी गई। आग लगते ही सभी यात्री बस से सुरक्षित बाहर निकल आए लेकिन बस बुरी तरह जल गई। कांचपुर हाइवे थाना प्रभारी जुवैल मिया ने बताया कि जली हुई बस को रिकवरी वाहन की मदद से मौके से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। एक अन्य घटना में गुरुवार तड़के मीररटेक बाजार के पास खड़े भूसे से लदे एक ट्रक में आग लगा दी गई। बताया गया है कि दीनाजपुर से भूसा लेकर आ रहा यह ट्रक सुबह करीब 3:30 बजे मीररटेक बाजार जामा मस्जिद के सामने रुका था। ड्राइवर और हेल्पर ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा किया और सामान उतारने का इंतजार करते हुए वे अंदर ही सो गए। सुबह करीब 5:30 बजे वहां से गुजर रही एक महिला ने आग देखी और ड्राइवर को जगाया। ड्राइवर ने जलते हुए भूसे को सड़क किनारे पानी में फेंककर आग बुझाने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और दमकल विभाग को सूचित किया।

न्यूज IN ब्रीफ

विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े मामले में दिलीप तिर्की गिरफ्तार



सिमडेगा : विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े पाकरटांड़ थाना कांड में सिमडेगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिलीप तिर्की को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे जोन्हा से गिरफ्तार किया। वहीं,मामले में एक नाबालिग बच्ची को भी निरुद्ध किया गया है। गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रणवीर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दिलीप तिर्की को जोन्हा से गिरफ्तार किया है। वहीं,एक नाबालिग बच्ची को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर संजीव कुमार सिंह ने किया शत-शत नमन

नई दिल्ली : भारत की महान वीरांगना, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की जयंती के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता संजीव कुमार सिंह ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शत-शत नमन किया।
इस अवसर पर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका, नारी शक्ति, अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति की सर्वोच्च प्रतीक हैं। अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उनका संघर्ष और मातृभूमि के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान सदियों तक देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।
उन्होंने कहा कि 1857 की महान क्रांति के अमर नायक बाबू वीर कुंवर सिंह का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। बाबू वीर कुंवर सिंह ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध बिहार की धरती से ऐतिहासिक संघर्ष का नेतृत्व किया और अंग्रेजी सेना को कई मोर्चों पर पराजित करके अपनी अद्भुत युद्धकुशलता एवं वीरता का परिचय दिया। जगदीशपुर की ऐतिहासिक विजय उनकी वीरता का अमर प्रमाण है।
संजीव कुमार सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह उनके पूर्वज थे और उनकी गौरवशाली स्वतंत्रता संग्राम की विरासत परिवार के लिए गर्व एवं प्रेरणा का विषय है। रानी लक्ष्मीबाई और बाबू वीर कुंवर सिंह जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग, साहस और राष्ट्रप्रेम हमें देश की एकता, अखंडता, लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

लौह महिला इंदिरा गांधी की जयंती पर राष्ट्र ने किया नमन

नई दिल्ली : भारत की पूर्व प्रधानमंत्री एवं विश्व की महान महिला नेताओं में शुमार लौह महिला स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता संजीव कुमार सिंह ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।
इस अवसर पर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी केवल भारत की प्रधानमंत्री ही नहीं थीं, बल्कि वे साहस, संघर्ष, आत्मविश्वास, राजनीतिक दृढ़ता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की अद्वितीय प्रतीक थीं। उनके असाधारण नेतृत्व और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण उन्हें पूरी दुनिया में 'आयरन लेडी ऑफ इंडिया' (भारत की लौह महिला) के नाम से जाना जाता है।
उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी जी ने अपने राजनीतिक जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना किया, लेकिन कभी अपने निर्णय लेने के साहस और नेतृत्व क्षमता से समझौता नहीं किया। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उनके नेतृत्व और बांग्लादेश के निर्माण में भारत की ऐतिहासिक भूमिका ने उन्हें विश्व राजनीति में एक विशिष्ट पहचान दिलाई।
संजीव कुमार सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी जी का जीवन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गौरवशाली राजनीतिक विरासत का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

6 लाभुकों के बीच दुधारू गायों का किया गया वितरण

रामगढ़ : उपायुक्त ऋतुराज के निदेर्शानुसार जिला गव्य विकास कार्यालय, रामगढ़ परिसर में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत चयनित 6 लाभुकों के बीच दुधारू गायों का वितरण किया गया। इस अवसर पर लाभुकों को योजना के तहत दुधारू गाय उपलब्ध कराई गई, ताकि वे पशुपालन को आजीविका के साधन के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देना, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना तथा किसानों एवं पशुपालकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा लाभुकों को दुधारू पशुओं के उचित रखरखाव, संतुलित पशु आहार, नियमित टीकाकरण एवं पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें पशुपालन के माध्यम से नियमित आय अर्जित करने एवं योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस का बरही विधानसभा में चलेगा जागरूकता अभियान

बरही : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बरही विधानसभा क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाने की तैयारी है। इस संबंध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह चतरा जिला प्रभारी केदार पासवान ने चौपारण स्थित पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही क्षेत्र में जागरूकता अभियान की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। श्री पासवान ने बताया कि 15 नवंबर से 15 दिसंबर 2026 तक बरही विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और चौक-चौराहों पर चौपाल एवं नुक्कड़ सभाएं आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को एसआईआर प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और मतदाता सूची में नाम से संबंधित जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाताओं की शंकाओं का समाधान करना और उन्हें प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना है। वहीं, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने अभियान को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी और सही जानकारी जरूरी है।

चक्रधरपुर में श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन उमड़े श्रद्धालु, भक्ति की गंगा में सराबोर हुआ शहर

नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव हुए शामिल, श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण करने की अपील की

संवाददाता



चक्रधरपुर : चक्रधरपुर में आयोजित भव्य श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस पर भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस पावन अवसर पर चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव भी शामिल हुए और पूज्य महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। परम पूज्य मुकुंद कृष्णदेव जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं उनके श्रीमुख से प्रवाहित अमृतमयी कथा वाणी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा श्रवण के दौरान भक्तों ने आध्यात्मिक शांति और भक्ति रस का अनुभव किया। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने और अच्छे संस्कारों से जोड़ने का माध्यम है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और श्रीमद्भागवत के उपदेशों से हमें प्रेम, सद्भाव, सेवा, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि चक्रधरपुर की धरती पर इस तरह का भव्य धार्मिक आयोजन होना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। परम पूज्य मुकुंद कृष्णदेव जी महाराज के श्रीमुख से कथा श्रवण करने का अवसर सभी धर्मप्रेमी लोगों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने नगर के सभी भाइयों, बहनों और बुजुर्गों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर कथा का श्रवण करें और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें। अंत में सन्नी उरांव ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर की कृपा और आशीर्वाद चक्रधरपुर सहित पूरे क्षेत्रवासियों पर सदैव बना रहे तथा क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली कायम रहे।

सनराइज यूनिवर्सिटी के 9वें दीक्षांत समारोह में डॉ मो. सद्दाम हुसैन सम्मानित

जाति-विरोधी ऐतिहासिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक इतिहास पर शोध के लिए मिली उपाधि झारखंड का बढ़ाया गौरव

संवाददाता



साहिबगंज : राजस्थान के अलवर स्थित सनराइज यूनिवर्सिटी में बुधवार,को आयोजित 9वें दीक्षांत समारोह में झारखंड के साहिबगंज जिला के सदर प्रखंड के छोटी कोदर्जन्ना के रहने वाले डॉ.मो.सद्दाम हुसैन को उनके शोध कार्य के लिए सम्मानित किया गया।उन्हें इतिहास विषय के अंतर्गत ह्यसमकालीन भारत में जाति-विरोधी ऐतिहासिक दृष्टिकोण और सामाजिक इतिहासह्न विषय पर किए गए शोध के लिए उपाधि प्रदान की गई।विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस भव्य दीक्षांत समारोह में देशभर से बड़ी संख्या में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।समारोह में सनराइज यूनिवर्सिटी के ट्रस्ट चेयरमैन डॉ.जितेंद्र यादव,कुलपति प्रो.डॉ बाला साहेब गंगे,रजिस्ट्रार डॉ. कुलदीप यादव सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के पदाधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.रवि प्रकाश मेहरड़ा डॉ एमकेपटेल, प्रो डॉ दुष्यंत अग्रवाल, प्रो. डॉ. अनिल कुमार प्रोवोस्ट, एमके यूनिवर्सिटी और एमके यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार देशराज यादव समेत अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में उपाधियों का वितरण किया गया।इस अवसर पर डॉ.मो.सद्दाम हुसैन को सम्मानित किए जाने से झारखंड का शैक्षणिक क्षेत्र में गौरव बढ़ा है।उनकी इस उपलब्धि पर शुभचिंतकों शिक्षाविदों व परिचितों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेज रफ्तार गिट्टी लदा हाइवा पेड़ से टकराया, बड़ा हादसा टला

हादसे में हाइवा का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त -चालक मौके से फरार

संवाददाता



साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के निमगाछी शिव मंदिर के समीप गुरुवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया।बरहरवा से गिट्टी लादकर तीनपहाड़ की ओर जा रहा तेज रफ्तार हाइवा संख्या जेएच17के 0151 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित नीम के पेड़ से जा टकराया।टक्कर इतनी जोरदार थी कि हाइवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।स्थानीय लोगों के अनुसार,हाइवा की रफ्तार काफी तेज थी।निमगाछी के टर्निंग प्वाइंट पर पहुंचते ही चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और सीधे पेड़ से टकरा गया।प्रत्यक्षदर्शियों ने चालक के नशे में होने की आशंका भी जताई है,हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बताया जा रहा है कि हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी।गनीमत रही कि हादसे के समय आसपास कोई राहगीर या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया,अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में तेज रफ्तार भारी वाहनों के परिचालन और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।स्थानीय लोगों का सवाल है कि आखिर टर्निंग प्वाइंट जैसे संवेदनशील स्थानों पर भारी वाहन इतनी तेज रफ्तार से कैसे गुजर रहे हैं? क्या इन वाहनों की गति पर निगरानी रखने और लापरवाह चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है?लोगों ने प्रशासन से ऐसे स्थानों पर भारी वाहनों की गति नियंत्रित करने और नियमित निगरानी की मांग की है।

दिशा की बैठक में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक सुरक्षा की हुई समीक्षा

संवाददाता

रामगढ़ : जिला समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में जिले में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सांसद ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं, लंबित कार्यों और आम लोगों को मिल रहे लाभ की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने तथा निर्धारित समयसीमा में योजनाएं पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।
बैठक में रामगढ़ विधायक ममता देवी, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो, उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी और नगर परिषद अध्यक्ष कुसुमलता कुमारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पूर्व की दिशा बैठकों में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। सांसद ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा। पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान सांसद ने बंद एवं सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रही जलापूर्ति योजनाओं को जल्द दुरुस्त करने का निर्देश दिया। वहीं सदर अस्पताल रामगढ़ में सीटी स्कैन सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने और सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जिले की सभी एंबुलेंस का प्रभावी संचालन करने का भी निर्देश दिया। दिव्यांगजनों को सरकारी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर काम करने पर जोर दिया गया। सांसद ने प्रतिवर्ष 300 से 400 दिव्यांगजनों को जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल करने को कहा। शिक्षा विभाग को सरकारी विद्यालयों में चहारदीवारी और बेंच-डेस्क की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।
जिले में हुई कारखाना दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए सांसद ने कारखाना निरीक्षक और श्रम अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच करने तथा प्रतिवेदन सौंपने को कहा। वहीं योग्य लाभुकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने और अयोग्य लाभुकों के नाम नियमानुसार हटाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में नमामि गंगे योजना के तहत निमार्णाधीन सीवेज शोधन संयंत्र का काम जल्द पूरा करने तथा विकास योजनाओं में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त की पहल पर शुरू की गई संगम परियोजना की सराहना की गई। इसके माध्यम से स्थानीय युवाओं को औद्योगिक इकाइयों की जरूरत के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की योजना है। साथ ही औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से जिले के विकास को गति देने के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के उपयोग पर चर्चा हुई।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर सातवें दिन निकाली गई प्रभात फेरी

रामगढ़ : सिख धर्म के प्रवर्तक व सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव को लेकर सातवें दिन बुधवार को भक्तिभाव से प्रभात फेरी आयोजित की गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से सुबह 5:00 बजे आरम्भ होकर सुभाष चौक, मेन रोड, बिजुलिया पहुंची। वहां से संगत बस द्वारा पंचवटी स्वर्गीय सरदार मोहन सिंह अरोड़ा , सरदार जसपाल सिंह अरोड़ा के गृह पहुंचे । जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सरदार तेजेंदर सिंह सोनी ने सरदार जसपाल सिंह अरोड़ा को सरोपा देकर सम्मानित किया। प्रभात फेरी के सातवें दिन भी साध संगत में स्त्री,पुरुष एवम् बच्चों ने गुरबाणी,शबद कीर्तन कर आगे आगे चल रहे थे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया था। साध-संगत ने गुरु भक्ति के शबद ह्वसबना दा मां पिओ आप हैह्व...ह्व कीर्तन किये। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मीडिया प्रभारी करमजीत सिंह जग्गी ने बताया की गुरुवार को प्रभात फेरी स्वर्गीय सरदार भगत सिंह सैनी,बबलू सैनी के सैनी होटल जाएगी। ये हुए शामिल : प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, कुलवंत सिंह मारवाह खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, हेड ग्रंथी सरदार गुरविंदर सिंह तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी, गुरप्रीत सिंह, गुरजीत सिंह,मंजीत सिंह कुजू वाले, , प्रीतम सिंह कालरा, जगजीत सिंह रमन कोहली,देवेंद्र सिंह अरोड़ा,इकबाल सिंह,राजा कालरा, , हरजीत सिंह छाबड़ा, विंकल कालरा, , त्रिलोचन सिंह जैसल,पप्पू सिंह, विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, जसविंदर सिंह,अंगद सिंह, रिंटू छाबड़ा, देवेंद्र सिंह सोनी, जसकीरत सिंह सैनी, रौनक छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।

अशोक पेपर मिल की जमीन के औद्योगिक उपयोग की तैयारी तेज मजदूरों का बकाया भुगतान सरकार की प्राथमिकता : सम्राट चौधरी

दरभंगा की अशोक पेपर मिल की भूमि को औद्योगिक उपयोग में लाने के लिए अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का दिया भरोसा

संवाददाता



पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने दरभंगा स्थित अशोक पेपर मिल्स लिमिटेड (बिहार इकाई) की भूमि को बिहार सरकार के औद्योगिक उपयोग में लाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने मिल के मजदूरों के हितों और उनके बकाया भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।
मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में अशोक पेपर मिल्स से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार और दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार ने मिल की स्थापना से लेकर अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अशोक पेपर मिल की जमीन के औद्योगिक उपयोग को लेकर उद्योग विभाग, जिला प्रशासन, मुख्य सचिव और महाधिवक्ता आपसी समन्वय से विस्तृत विचार-विमर्श करें और आगे की कार्रवाई जल्द सुनिश्चित करें।
मुख्यमंत्री ने कहा कि मिल के मजदूरों की बकाया देनदारियों के भुगतान पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। मजदूरों को उनका हक दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में मजदूरों के हितों और अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अशोक पेपर मिल से जुड़े मामले का समाधान निकालने के लिए राज्य सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी। संबंधित विभागों और अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया।
बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, महाधिवक्ता एस.डी. संजय, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार, दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।